दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लोगों को ज्यादा सफाई देने की आदत ...8
सिद्धार्थनगर
बुधवार, 01 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 104 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हिम्मत है तो होर्मुज से खुद लाओ तेल, अमेरिका नहीं करेगा किसी देश की मदद, ट्रंप की चेतावनी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट आज अपने 32वें दिन में प्रवेश कर गया है। ट्रंप लगातार ईरान के साथ हो रही बातचीत के सकारात्मक होने का दावा कर रहे हैं, साथ ही ईरान को हमले की धमकी भी दे रहे हैं। इस बीच अब ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के कारण दूसरे देशों का मजाक उड़ाया है। ट्रंप ने कहा है कि जो देश होर्मुज बंद होने के कारण जेट ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं, उन्हें थोड़ी हिम्मत दिखाते हुए होर्मुज जाकर उसे खुलवाने की कोशिश करनी चाहिए। ट्रंप ने कहा कि दूसरा ऑप्शन ये है कि ऐसे देश अमेरिका से तेल खरीदें। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर लिखा, श्वे सभी देश जिन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य की वजह से जेट फ्यूल नहीं मिल पा रहा हैकृ जैसे कि यूनाइटेड किंगडम, जिसने ईरान को कमजोर करने की मुहिम में शामिल होने से इनकार कर दिया थाकृउनके लिए मेरे पास एक सुझाव हैरू नंबर 1– यूएस से खरीदें, हमारे पास इसकी कोई कमी नहीं है। और नंबर 2– थोड़ी हिम्मत जुटाएं, उस जलडमरूमध्य तक जाएं और बस उसे ले लें। ट्रंप ने आगे लिखा, श्अब आपको अपने लिए खुद लड़ना सीखना होगाय यूएसए अब आपकी मदद के लिए वहां मौजूद नहीं रहेगाकृ ठीक वैसे ही, जैसे आप हमारे लिए मौजूद नहीं थे। असल में, ईरान पूरी तरह से तबाह हो चुका है। मुश्किल काम हो चुका है। अब जाएं और अपना तेल खुद हासिल करें!श ट्रंप ने एक पोस्ट में फ्रांस पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा, श्फ्रांस ने इजराइल जा रहे उन विमानों को अपने क्षेत्र के ऊपर से उड़ने की अनुमति नहीं दी, जो सैन्य साजो–सामान से लदे हुए थे। ईरान के कसाई के मामले में फ्रांस का रवैया बेहद असहयोगी रहा है, लेकिन अब उस कसाई को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया गया है! यूएस इसे याद रखेगा!श

अमरावती पर लगेगी अंतिम मुहर!

आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी बनाने वाला विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026, बुधवार, 1 अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जाएगा, जिसके तहत अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी घोषित किया जाएगा। यह विधेयक आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में संशोधन करके यह घोषणा शामिल करना चाहता है कि अमरावती नई राजधानी होगी। तेलंगाना के एक अलग राज्य के रूप में गठन के बाद, मूल 2014 अधिनियम में यह प्रावधान था कि हैदराबाद दस वर्षों तक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी के रूप में कार्य करेगा, जिसके बाद हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन जाएगा और आंध्र प्रदेश की एक नई राजधानी होगी। 28 मार्च को, आंध्र प्रदेश विधानसभा ने अमरावती को एकल राजधानी के रूप में समर्थन देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे इस विधेयक को पेश करने का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया और राज्यसभा के अध्यक्ष, लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य अधिकारियों को भेज दिया गया। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए अमरावती को राज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में पुनः स्थापित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत राजधानी को बदल या स्थानांतरित नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अमरावती को विश्व स्तरीय ब्लू–ग्रीन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जो सतत विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे का संयोजन करेगी।

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

मेड इन इंडिया–मेक फॉर द वर्ल्ड का दिया मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक माना जा रहा है, क्योंकि मंगलवार को अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। यह भारत में इस प्रकार का दूसरा संयंत्र है और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। इसे भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से यह मिशन को गति प्रदान करेगा।

इससे पहले आज, महावीर जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर के महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में कोबा तीर्थ स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। अशोक के पोते सम्राट संप्रति के नाम पर स्थापित यह संग्रहालय जैन धर्म की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इससे पहले सोमवार को, गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा, ष्सेमीकंडक्टर विनिर्माण श्रृंखला में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सानंद में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। यह इस श्रृंखला का दूसरा संयंत्र होगा, और यह सुविधा प्रतिदिन 7 लाख से अधिक चिप्स का उत्पादन करेगी।ष उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना भारत के एक नए तकनीकी युग में प्रवेश का प्रतीक है और चुनौतियों को अवसरों में बदलने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस दूसरी इकाई के साथ, हम इस भविष्यवादी उद्योग के युग में प्रवेश कर रहे हैं।

टेनिस कोर्ट के बाद सियासत में लिएंडर पेस की नई पारी, पश्चिम बंगाल में बीजेपी का बनेंगे चेहरा?

18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने मंगलवार (31 मार्च) को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन चुनावों के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को निर्धारित है। राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और सुकांत मजूमदार की उपस्थिति में टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी ने भाजपा में प्रवेश किया। उनके पश्चिम बंगाल चुनाव लड़ने की संभावना है। पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को धन्यवाद देना चाहता हूं।

क्या लिएंडर पेस भाजपा की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं?

भाजपा में शामिल हुए लिएंडर पेस पश्चिम बंगाल चुनावों में पार्टी को संभावित बढ़त दिला सकते हैं, खासकर कोलकाता जैसे शहरी इलाकों में, जहां उनकी मजबूत पहचान और लोकप्रियता है। पेस की लोकप्रियता और बेदाग सार्वजनिक छवि भाजपा को उच्च–मध्यम वर्ग के मतदाताओं, शहरी क्षेत्रों और खेल प्रेमियों से जुड़ने में मदद कर सकती है। उनका प्रवेश युवा मतदाताओं को भी आकर्षित कर सकता है, जिससे पार्टी पारंपरिक राजनीति से परे एक नई, महत्वाकांक्षी अपील पेश कर सकेगी।

असम में लगेगी बीजेपी की हैट्रिक: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संभावनाओं पर दृढ़ विश्वास व्यक्त किया और आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत की भविष्यवाणी की। पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस ने कहा कि भाजपा असम में लगातार तीसरी जीत हासिल करने के कगार पर है और पार्टी अपने सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व को राज्य भर में सकारात्मक लहर पैदा करने का श्रेय दिया, जैसा कि एएनआई ने रिपोर्ट किया है।

ममता ने गिनाए देबरा के विकास कार्य

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देबरा स्थित बलिचक भजाहारी संस्थान मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए बताया कि कैसे बेहतर सुविधाओं, कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों की शुरुआत से इस क्षेत्र का कायापलट हो गया है। उन्होंने रेल मंत्रालय पर क्षेत्र में परियोजनाओं में देरी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों पहले स्वीकृत फ्लाईओवर और उससे संबंधित कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हमने राजीव बनर्जी को देबरा से टिकट दिया है। मेरे साथ श्रीकांत महतो और अजीत मैती हैं। वे क्रमशः सालबोनी और पिंगला से चुनाव लड़ रहे हैं। रेल मंत्रालय यहां फ्लाईओवर का निर्माण पूरा नहीं कर रहा है। यह मेरे कार्यकाल में स्वीकृत हुआ था। अगर वे काम पूरा नहीं करेंगे, तो हम पुल के नीचे होने वाले अपने काम को कैसे पूरा कर पाएंगे? मैं संबंधित अधिकारियों से काम पूरा करने का आग्रह करती हूं।

माओवादी विचारधारा पर बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, रिजिजू ने की राहुल और सोनिया से पूछताछ की मांग

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वामपंथी उग्रवाद से जुड़े व्यक्तियों से मुलाकातों के संबंध में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से पूछताछ की मांग की है। 31 मार्च को नई दिल्ली में बोलते हुए, रिजिजू ने लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ सरकार के प्रयासों पर दिए गए बयानों का जवाब दिया। रिजिजू ने कहा कि नक्सलवाद पर केंद्र का रुख बिल्कुल स्पष्ट है और यह उग्रवादी विचारधारा से जुड़ी वर्षों की हिंसा पर आधारित है। रिजिजू ने कहा कि अगर आप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बयान ध्यान से सुनें, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है। जब वामपंथी उग्रवाद पूरे देश में फैला, तो आम लोगों ने अपनी जान गंवाई, हजारों सुरक्षा बलों के जवान शहीद हुए, यहां तक घ्कि कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी मारे गए। विपक्ष को सीधे संबोधित करते हुए रिजिजू ने आगे कहा कि अब राहुल गांधी और सोनिया गांधी वामपंथी उग्रवाद और माओवादी विचारधारा फैलाने वाले नेताओं से मिल रहे हैं। इसलिए, सिर्फ हमसे सवाल न करें। कांग्रेस नेताओं से सवाल किए जाने चाहिए। कांग्रेस के लोग भी मारे जा रहे हैं। ये टिप्पणियां अमित शाह द्वारा संसद में भारत को नक्सल–मुक्त घोषित करने के बाद आईं, जिसे उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया।

होर्मुज स्ट्रेट खुले नहीं खुले, ईरान से युद्ध जल्द से जल्द बंद करने की फिराक में लगे ट्रंप, फंसे खाड़ी देश?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान में चल रहे सैन्य अभियान को चार से छह हफ्तों के भीतर समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं, भले ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने सहयोगियों से कहा है कि संघर्ष जल्द ही समाप्त हो सकता है और जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए राजनयिक वार्ता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति का मानना घ्है कि ईरान की नौसेना और मिसाइल प्रणालियों को कमजोर करने सहित प्रमुख परिचालन लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिए गए हैं। रिपोर्ट में उद्धृत अधिकारियों ने बताया कि वाशिंगटन अभी भी भीड़भाड़ वाले समुद्री क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले अभियान शुरू किए बिना अपने ष्मुख्यष उद्देश्यों को पूरा करके सफलता का दावा कर सकता है।

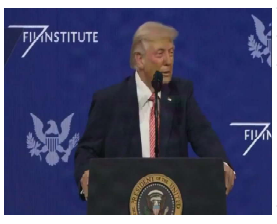

टैंकरों की आवाजाही शुरू होने पर राजनयिक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया

व्हाइट हाउस ने कहा कि जलडमरूमध्य से सीमित संख्या में टैंकरों की हालिया आवाजाही अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वार्ता का परिणाम है। प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान चुनिंदा जहाजों को गुजरने दे रहा है, और जोर देकर कहा, ष्हम इसका समर्थन नहीं करते हैं, और मैं इस बात को पूरी तरह से नकारती हूं कि वे जानबूझकर जहाजों को चुन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में जारी कूटनीति ने टैंकरों की आवाजाही को संभव बनाया। रविवार को ट्रंप ने कहा कि ईरान ने 20 जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति सम्मान के प्रतीक के रूप में दी, और हफ्तों के तनाव के बाद इस कदम को एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा।

परंपरा और टेक्नालॉजी को साथ चलना होगाः जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लिया और संस्थान की प्रगति की सराहना करते हुए इससे जुड़े होने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने परंपरा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति के संगम पर जोर देते हुए विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए इस आयोजन के महत्व को रेखांकित किया और स्नातकों को इसकी प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। राजगीर में आज नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण में नालंदा की परंपरा एक सशक्त प्रभाव डाल सकती है। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि 600 से अधिक स्नातक। 31 राष्ट्र। एक साझा यात्रा! भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आज राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लेकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। नालंदा भारत की बौद्धिक विरासत और सांस्कृतिक गौरव की स्मृतियों को ताजा करता है और दुनिया को याद दिलाता है कि प्रौद्योगिकी और परंपरा – विकास भी, विरासत भी – को साथ–साथ चलना चाहिए।

केरल में एलडीएफ और यूडीएफ की मैच फिक्सिंग होगी खत्म, जनता कमल खिलाएगीः नबीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने केरलम के एलडीएफ और यूडीएफ पर राजनीतिक खेल–खेल में हेराफेरी का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा के बढ़ते वोट शेयर से उसे जीत मिलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे पर तीखा हमला करते हुए उन पर सत्ता में बने रहने के लिए एक–दूसरे का समर्थन और आलोचना करके खेल–खेल में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए नबीन ने केरल में भाजपा के बढ़ते समर्थन पर प्रकाश डाला और बताया कि पार्टी का वोट शेयर 2: से बढ़कर 20: हो गया है, जो इसकी निरंतर प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य अब केवल केरल से विकसित केरल बनने की ओर अग्रसर है। नबीन ने कहा कि इस बार भाजपा केरल में कमल खिलाएगी। यहां की जनता से हमें जो समर्थन मिल रहा है – 2: वोट शेयर से 20: तक पहुंचना – हमारी प्रगति को दर्शाता है।

पाकिस्तान की गैस पाइपलाइन पर बड़ा अटैक, दहला पूरा इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। हिंदी की एक कहावत तो सुनी ही होगी आपने। गरीबी में आटा गीला और इस वक्त बिल्कुल वही हाल पाकिस्तान का हो गया है। पहले ही पेट्रोल डीजल को लेकर त्राहि मची हुई है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतें घ्321 और वहीं आपको बता दें डीजल जो है यहां पर घ्335 प्रति लीटर बिक रहा है। तेल और गैस के दाम सातवें आसमान पर है। गैस की किल्लत से जनता परेशान है और अब ऊपर से एक और बड़ा झटका पाकिस्तान को लग गया है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में अचानक ऐसा भीषण ब्लास्ट हुआ है जिसने इस्लामाबाद से लेकर लाहौर तक में खतरनाक हड़कंप मचा दिया है। धमाका इतना जबरदस्त था कि पाइपलाइन का बड़ा हिस्सा पूरी तरह से तबाह हो गया और आग की लपटें दूर–दूर तक दिखाई देने लगी। धमाके के तुरंत बाद एसएसजीसी की टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची। मुख्य वालव बंद किया और आग पर किसी तरह काबू पाया गया। लेकिन सुरक्षा कारणों से गैस सप्लाई पूरी तरह से रोक दी गई है। इसका असर सीधे क्वटा शहर और अपर बलूचिस्तान के कई इलाकों पर पड़ा है। एयरपोर्ट रोड, नवानकली, जिन्ना टाउन, कुचलक और कई ऐसे इलाके हैं जहां पर अब पूरी तरह से गैस सप्लाई ठप हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि लोगों के घरों में चूल्हे तक नहीं जल पा रहे और पहले से चल रहे ऊर्जा संकट ने अब और इसे विकराल रूप दे दिया है। पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लेकिन अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ऐसे में जब ये वीडियो और ये खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो लोग यूजर्स जो हैं वो पाकिस्तानियों को और पाकिस्तान के हुक्मरानों को यह सलाह देने लगी कि ज्यादा चौधरी मत बनो। अपने गिरेबान में झांको। क्योंकि मिडिल ईस्ट में जब से यह तनाव बढ़ रहा है उसके बाद पाकिस्तान खुद सामने से जाकर यह कह रहा है कि क्या हम कुछ कर सकते हैं? लेकिन अपने ही देश के हालात नहीं देख रहा। ऐसे में यूजर्स उन्हें यह सलाह दे रहे हैं कि आप कृपया करके अपने गिरेबान में झांके और अपने लोगों के लिए कुछ कदम उठाएं। दरअसल आपको बता दें कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे अशांत इलाका है जहां लंबे समय से सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के बीच संघर्ष जारी है और अब इस हमले ने पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी को उजागर कर दिया है और वो है उसकी ऊर्जा सुरक्षा।

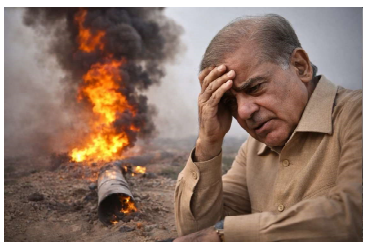

गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने किया श्री आटो मोबाइल्स पेट्रोल पम्प का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त पेट्रोल पम्प का विधि विधान से राज्य मंत्री महेश शुक्ल ने बड़े उद्घाटन किया। कहा कि युद्ध

को लेकर ऊर्जा संकट के दौर में एक और पेट्रोल खुल जाने से लोगों को सुविधा होगी। पेट्रोल पम्प के प्रबंधक ओम नारायण पाण्डेय ने बताया कि इस पेट्रोल पम्प से लोगों को बेहतर सेवा देना हमारी प्राथमिकता है। गुणवत्ता और नाप से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से विधायक राजेन्द्र चौधरी, पुरूषोत्तम पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, डा. आशीष नारायण त्रिपाठी, राकेश पाण्डेय, अजय पाण्डेय, मो. सईद, मो. आलम, विवेक गिरोत्रा, चन्द्रशेखर मुन्ना, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', विजय पाल, राकेश गुप्ता, अमित गुप्ता, अनिल कुमार मिश्र, सन्तोष पाण्डेय, अशोक सिंह, संजय सिंह, सुधांशु चौधरी, इण्डियन आयल के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

रॉन्ग साइड से आ रही ट्रक ने मारी टक्कर, कार चालक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के परासपानी से जवाडीडांड मार्ग स्थित चोरपनिया गांव के पास प्रयागराज से अम्बिकापुर की तरफ जा रही कार को रॉन्ग साइड से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मारकर दिया ।जिसके कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई ।

सूचना पर पहुंची चोपन पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई ,घटना स्थल से ट्रक चालक फरार हो गया । मिली जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम करीब 3.30 बजे चोपन थाना क्षेत्र के परासपानी से जवाडी डांड मार्ग के बीच स्थित चोरपनिया गांव के पास वाराणसी शक्तिनगर राज्य मार्ग पर प्रयागराज से अम्बिकापुर जा रही कार को रॉन्ग साइड से आकर ट्रक ने जोरदार टक्कर मारकर दिया जिसमें कार चालक किशोर कुमार उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र संत नारायण चौधरी निवासी सीमोड रांची झारखंड कार में दबकर गया और उसकी मौत हो गई । वहीं इसकी सूचना राहगीरों ने डायल 112 व चोपन पुलिस को सूचना दी गई जहां सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 व चोपन पुलिस ने तत्काल घायल नितू देवी पत्नी किशोर कुमार, वैदिक उम्र लगभग 3 वर्ष व मृतक सहित को कार में अंदर फंसे हुए सवारों को जेसीबी मशीन के मदद से क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकलवाया गया और ऐम्बुलेंस से चोपन अस्पताल भेजवाया गया है। वहीं कार में पति पत्नी और एक बेटा कार में सवार होकर अंबिकापुर छत्तीसगढ़ जा रहें थे और सड़क दुघर्टना के शिकार हो गए। जहां चोपन पुलिस ने इस घटना को मृतक और घायलो को स्वजनों को सूचना देते हुए अग्रीम कारवाई जुटी रही।

कामरेड अशोक दुबे की मनाई पांचवीं पुण्यतिथि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एनसीएल जयंत परियोजना के एटक संगठन कार्यालय में मंगलवार को स्व. कामरेड अशोक दुबे की पाँचवी पुण्यतिथि मनाई गई। महामंत्री अजय कुमार ने एटक सीएमएस कार्यालय में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभी परियोजना से आए कार्यकर्ताओं ने भी बारी–बारी से माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर नमन किया। महामंत्री अजय कुमार ने संबोधन में कहा कि कामरेड अशोक कुमार दुबे के आदर्शों पर चलकर कोयला क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। बताया कि उनके द्वारा श्रमिकों के लिए एक लंबी लड़ाई लड़ी. जिसके बदौलत संगठन एकजुटता का परिचय देते हुए सबसे आगे खडी है। मजदूरों के हित के लिए सदैव खड़े रहने वाले स्वर्गीय कामरेड अशोक कुमार दुबे के जीवनी कें बारे में चर्चा कर वरिष्ठ लोग दो मिनट का मौन रख पुरानी यादें ताजा की।शाम को .ष्ण शिला एटक कार्यालय में पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। जिसमें मोहम्मद जिन्ना, आरके सिंह, प्रभाकर त्रिपाठी, आरसी प्रसाद, जोगेंद्र तिवारी, धीरेंद्र नाथ यादव,सोनू मिश्रा, मनोज मिश्रा आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

न बकाया मिला न शटरिंग का सामान: पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर वार्ड सं. 5 लोहिया नगर निवासी दलित अजय कुमार छत लगाने के लिये शटरिंग का कार्य करता है। उसने कोतवाली थाना क्षेत्र के राजा चक भद्रेश्वरनाथ निवासी शिवा गोस्वामी के नये मकान के छत के निर्माण में शटरिंग का अपना सामान लगाया था। इसके लिये उसे एक लाख अट्ठाइस हजार रूपया प्राप्त होना था। शिवा गोस्वामी के पिता रविन्द्र गोस्वामी ने उन्हें 25 हजार रूपया दिया शेष राशि शटरिंग खुलने के बाद मिलना था। काम पूरा होने के बाद जब उसने एक लाख तीन हजार मांगना शुरू किया तो शिवा गोस्वामी और उनके पिता रविन्द्र गोस्वामी, नगर थाना क्षेत्र के पिपरा गौतम निवासी चिन्टू पाण्डेय और प्रकाश यादव बकाया धनराशि और शटरिंग का सामान देने में आना कानी करने लगे। गत 25 दिसम्बर 2025 को जब वह बकाया रूपया और शटरिंग का सामान लेने पहुंचा तो उक्त लोगों ने जाति सूचक गालियां देते हुये उसे मारा पीटा और कहा कि न तो बकाया धनराशि देंगे न शटरिंग का सामान । उसने घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक को दिया और बाद में न्यायालय के निर्देश पर 27 दिसम्बर 2025 को उक्त लोगों के विरूद्ध कोतवाली थाने में नामजद मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बावजूद पुलिस ने न तो दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई किया और न ही सामान सहित कुल धनरशि ही दिलाया गया। उसने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और सामान सहित बकाया धनराशि दिलाये जाने की मांग पुलिस उच्चाधिकारियों से किया है।

घायल पोस्टमास्टर की उपचार के दौरान रात्रि में वाराणसी एक नीजी अस्पताल में मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी अम्बिकापुर मार्ग पर इण्डेन गैस एजेंसी के पास बीते शनिवार को ट्रक ने बाइक सवार पोस्टमास्टर को धक्का मार दिया था। जिससे बाइक सवार पोस्टमास्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें म्योरपुर सीएचसी ले गये जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। जहां रात्रि में जार्जियन अस्पताल में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब दो बजे तेज रतार ट्रक ने बाइक सवार युवक को धक्का मार दिया। बाइक सवार की पहचान जिला जिंद हरियाणा निवासी हिमांशु पुत्र रामप्रवेश के रूप में हुई। उनके साथियों ने बताया कि हिमांशु नधिरा डाकघर में बतौर बांन्च पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत थे।नधिरा पोस्ट आफिस से वह अपने बाइक से बभनी कमरे पर आ रहे थे कि बभनी इण्डेन गैस एजेंसी के पास विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने धक्का मार दिया। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।घटना की सूचना लगते ही अन्य डाक कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए।डाक कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से घायल हिमांशु को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर ले गये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां से वाराणसी रेफर कर दिया गया जहां रात्रि में उनकी मौत हो गई।मौत के परिजनों में कोहराम मच गया।हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि मृतक के साथी रीतिक यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाबीर जयंती का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के कुसुम्हा गांव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल बियार स्मारक प्रांगण कुसुम्हां घोरावल में भगवान महावीर स्वामी की जंयती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चन्द्रभान सिंह और अध्यक्षता कर रहे स्वतंत्रता सेनानी मंगल बियार ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहन लाल बियार ने महावीर स्वामी का पूजन किया। मुख्य अतिथि चन्द्रभान सिंह ने कहा कि भगवान् महावीर स्वामी जी के द्वारा बताये गए उपदेशों पर चलने की आवश्यकता है। मोहन लाल बियार के द्वारा कहा गया कि भगवान महावीर स्वामी जी कि जयंती पर सबको शपथ लेने की आवश्यकता है कि सत्य, अहिंसा, समानता, जीवो पर दया करे। शुध्द मन से ही सच्चा सुख मिलता है। इस अवसर पूर्व ग्राम प्रधान सीताराम बियार, शंकर प्रसाद, बीरबली कोल, गुलाब प्रसाद, उमेश कुमार, पंकज आदिवासी, लक्ष्मन प्रसाद, अवधेश विश्वकर्मा, सौरभ कुमार, मोहित लाल, नागेश्वर कोल, अमृता, अर्चना आदि लोग उपस्थित रहें।

रासपहरी म्योरपुर में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के इकाई प्रमुख मनीष गर्ग, मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे, कर्मचारी संबंध प्रमुख राकेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को उड़ान सेवा ट्रस्ट के द्वारा सोन प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ म्योरपुर ब्लॉक में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में जुट बैग्स का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया गया, जिससे महिलाओं ने बड़े ही अच्छे ढंग से सीख कर आगे इस पर काम करेंगी। एलएसबी अधिकारी श्रीश त्रिपाठी, बीएमएम सुभाष ने 35

महिलाओं को प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यक्रम में ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के अधिकारी चांदनी निर्मल, अर्चना तिवारी, ट्रेनर बेबी खान, उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मनीष गर्ग, इकाई प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही समाज के विकास के लिए कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। राजीव दुबे, मानव संसाधन प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हमारा उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और वे अपने परिवार का पालन–पोषण कर सकेंगी। राकेश कुमार, कर्मचारी संबंध प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही महिलाओं के विकास के लिए कार्य करता रहा है। इस अवसर पर उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को बहुत ही लाभ हुआ है और वे आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेंगी।

11 खंडो से कल निकलेगा शोभायाता,तैयारी पूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आगामी 2 अप्रैल को हनुमान महोत्सव के अवसर पर 11 प्रखंडों से निकलने वाले शोभा यात्रा को लेकर शक्ति नगर थाने में बैठक किया गया। आयोजन के संरक्षक हेमंत मिश्रा ने बताया कि 11 खंड बांसी, बीना, कोहरौलिया, खड़िया, परसवार, चिल्काडांड, चिल्काडांड बस्ती, अंबेडकर नगर, बस स्टैंड, शिवाजी नगर एवं विद्युत विहार कॉलोनी से श्रद्धालु जुलूस

एवं शोभा यात्रा में शामिल होंगे। सभी प्रखंडों से निकलने वाले शोभायात्रा का एकत्रीकरण पीडब्लू डी चौराहे पर होगा। जहां से जुलूस ज्वालामुखी मंदिर आरती ग्राउंड पहुंचेगा। जहां हनुमान जी की महा आरती एवं प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। शक्ति नगर थाना प्रभारी कमलनयन दुबे ने बताया कि आयोजन के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी साथ ही कोयला एवं राख का परिवहन और अस्थायी रूप से बंद रहेगा। मुख्य मार्गों पर जल छिड़काव कराने के साथ फायर ब्रिगेड की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। इस मौके पर बैठक में प्रशांत श्रीवास्तव, अमरेश पांडेय,मोहन गुप्ता, सुनील सिंह पटेल, दुर्गा प्रसाद शास्त्री, पंकज चौबे, रविंदर यादव,रणजीत सिंह के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

लिटिल लावर्स स्कूल बस्ती में वार्षिक परिणाम व पुरस्कार समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को लिटिल लावर्स स्कूल, मधुपुरम, वाल्टरगंज बस्ती में वार्षिक परीक्षा–परिणाम वितरण एवं पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को पदक एवं प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह, निदेशिका अपर्णा सिंह, प्रधानाचार्या वंदना सिंह तथा कक्षाचार्यों की उपस्थिति में मेधावियों का सम्मान किया गया। सम्मानित छात्रों व उनके अभिभावकों के साथ विशेष फोटो सत्र भी आयोजित हुआ तथा उन्हें मिष्ठान्न खिलाकर सम्मानित किया गया। इस विशेष सम्मान से अभिभावकों एवं छात्रों के चेहरे खुशी और गर्व से खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक एवं निदेशिका के कर–कमलों से माँ सरस्वती एवं विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय मधुरानी सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके पश्चात मेधावी छात्र–छात्राओं को परीक्षाफल, पदक एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम व द्वितीय स्थान

प्राप्त करने वाले छात्रों में नर्सरी से अरिदमन, दीपक, हर्षाली, जीवा, शिवांगी (प्रथम) तथा एलीज़ा (द्वितीय) रहे। लकेजी, यूकेजी, कक्षा 1 से 9 एवं कक्षा 11 तक के सभी वर्गों में छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सम्मान प्राप्त किया। कक्षा 11 विज्ञान वर्ग में समीक्षा त्रिपाठी ने प्रथम एवं उमंग कसेरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि मानविकी वर्ग में शगुन धर द्विवेदी प्रथम एवं आराध्या चौधरी द्वितीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। निरंतर प्रयास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है।" निदेशिका अपर्णा सिंह ने छात्रों को भविष्य के प्रति सजग रहने और .ढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए छात्रों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या वंदना सिंह ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही विद्यालय के सफल संचालन हेतु समस्त स्टाफ के सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं सफल आयोजन के साथ हुआ।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- मथुरा वि.ख.- हैरय्या सतघरवा, जनपद- बलरामपुर

निविदा /आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत मथुरा में पंद्रहवा वित्त आयोग पंचम राज्य वित्त आयोग मनरेगा योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, नाली निर्माण एवं सामुदायिक शौचालय, नाली मरम्मत, होम पाइप, खड़ंजा निर्माण कार्य,हैंडपम्प मरम्मत इंटरलाकिंग कार्य, स्कूल शौचालय निर्माण/मरम्मत कार्य हैंडपम्प रिबोर, स्कूल शेड निर्माण,आँगनबाड़ी केंद्र निर्माण , अन्नपूर्णा भवन निर्माण कार्य, पंचायत भवन निर्माण एवं उच्चीकरण/ मिट्टी पटाई कार्य,सोलर लाइट, रंगाई पुताई कूड़ागाड़ी का मरम्मत कार्य ठेलिया सफाई कर्मी किट आदि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी ईट, सीमेंट, बालू, मोरंग, इंटरलाकिंग ईट,सरिया, टाइल्स, गिट्टी विभिन्न प्रकार माप के होमपाइप, फर्नीचर,लोहे का दरवाजा, गेट, लोहे का पाइप प्राइमर, पेंट शौचालय सीट, साइनबोर्ड व अन्य सामग्री की आवश्यकता है। सामग्री आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदा दाताओं से निविदा/कोटेशन जो पंजीकृत फर्म हो उसे आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 01–04–2026 से दिनांक 04–04–2026 को तक 10:00 बजे तक प्राप्त एवं जमा किया जायेगा। निविदा/कोटेशन दिनांक 04–04–2026 को समय 1:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम प्रधान सचिव और आपूर्तिकर्ता की उपस्थिति में निविदा फार्म खोला जायेगा।निविदा/कोटेशन स्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।उक्त सभी सामग्री वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के विशिष्टयों के अनुसार परिमंडल गोण्डा के द्वारा निर्धारित दरों के सापेक्ष की जायेगी।सभी नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ये निविदा ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष 2026–2027 में कराये जाने वाले विकास कार्यों हेतु प्रभावी होगा।

अशरफ जहाँ
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत- मथुरा
विकासखंड -हरैय्या सतघरवा
जनपद - बलरामपुर

नित्यानंद सिंह
ग्राम विकास अधिकारी /सचिव
ग्राम पंचायत- मथुरा
विकासखंड -हरैय्या सतघरवा
जनपद - बलरामपुर

नहरी प्रा.वि. में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिकोत्सव कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक संसाधन केंद्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नहरी में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति, सांस्कृतिक, स्वच्छता आधारित कार्यक्रमों के साथ नृत्य–नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की आकर्षक झांकियों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व माध्यमिक विद्यालय मलगवा की प्रधानाध्यापिका गायत्री देवी एवं विशिष्ट अतिथि कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा के प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि गायत्री देवी ने कहा कि विद्यालयों में वार्षिकोत्सव जैसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलता है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि अमरेश कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखार पाते हैं। शिक्षक राकेश कुमार राज ने विद्यालयों में इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से कराने पर जोर देते हुए अभिभावकों से बच्चों को पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की। इंचार्ज प्रधानाध्यापक बजरंगी लाल मौर्य ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं बैज लगाकर स्वागत किया। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन जय प्रकाश यादव ने किया। इस अवसर पर सरिता देवी, विनीता मिश्रा, कविता यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, एसएमसी अध्यक्ष सरिता साहनी, सदस्य नीलम गिरी, कुसुम यादव, लक्ष्मी यादव, अफजल सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

लूट की योजना बना रहे चार शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त कार्रवाई में लूट की योजना बना रहे चार शातिर अभियुक्तों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक देशी तमंचा, जिंदा कारतूस व दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया गया है। मीडिया वार्ता में क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने बताया कि अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना शोहरतगढ़ पुलिस व एसओजी टीम संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग व सुरागरसी में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि कुछ लोग बाणगंगा बैराज के पास लूट की योजना बना रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा दो मोटरसाइकिल (पल्सर) बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों के खिलाफ थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 50/26 के तहत धारा 313, 3(5) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रियाज अहमद उर्फ अकील अहमद निवासी खुनुवा बाजार, शिवकुमार चौहान उर्फ मनगाढू निवासी ठकुरा खुर्द, कौशल मिश्र निवासी खड़कुइया तथा अखिलेश गड़ेरिया निवासी चौदहा (नेपाल) को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी मिथिलेश कुमार राय, निरीक्षक अवधेश पाण्डेय, उपनिरीक्षक बलिराम गौंड, संतोष यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

नगर पंचायत इटवा मे एक मन्दिर का अभी नही हुआ कायाकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा को नगर पंचायत हुए लगभग साढ़े तीन साल तक हो चुका और हर एक मन्दिर के कायाकल्प के लिए सरकार ने सिद्धार्थनगर मे नगर पंचायतों को अच्छी खासी वजट दिया था कि जितने भी पुराने मंदिर है उसको सुंदरीकरण कराया जाऐ। इटवा नगर पंचायत मे औरो जगह मन्दिर का सुंदरीकरण हो गया। लेकिन इटवा नगर पंचायत वार्ड नंबर 8 गुरु गोविंद सिंह नगर मे राम–जानकी मन्दिर का अभी तक कोई काम नही हुआ इसके लिए मन्दिर के आस पास रहने वालो ने नगर पंचायत अध्यक्ष से मिलकर कई बार कहा की मन्दिर का सुंदरीकरण करवा दो और बाउंड्री के अंदर मिट्टी पटवा दिया जाऐ ताकि बरसात मे पानी न भरे इसके लिए नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा भी था कि मिट्टी पटवा दिजाऐगा लेकिन लगभग छः महीने बीत चुके हैं। सुंदरीकरण तो दूर है। अभी तक मिटी नही पटवाया गया फिर दुबारा कहा गया तब वजट नही है। आखिर इतना सारा धन कहा चला गया देखा जाऐ तो मन्दिर के सुंदरीकरण एक दो छोड़ कर कही नही हुआ सरकार के तफर से करोड़ों का वजट दिया गया था लेकिन वजट कहा गया। मन्दिर मे रहने वाले भगवान खा गऐ या फिर पर्सनल वजट मे लगा लिया गया।

जलवायु परिवर्तन पर संवेदीकरण कार्यशाला संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामाजिक संस्था गौतम बुद्ध जागृति समिति, द्वारा संचालित एवं रोहिणी नीलेकनी फिलेंथ्रोपिस फाउंडेशन एवं पानी संस्थान से सहायतित मौसम परियोजना के अंतर्गत संस्था कार्यालय उसका बाजार में पंचायत वार्ड सदस्यों का एक दिवसीय जलवायु परिवर्तन पर संवेदीकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे संस्था सचिव श्रीधर पाण्डेय जी ने मुख्य रूप से ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी साझा किये। उन्होने बताया गया कि यह पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की प्रक्रिया है। इसमें मौसम और परिस्थितियों के अनुसार स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जाती है। इसमें पंचायत स्तर पर संसाधन जुटाने, विकास कार्यों की मॉनिटरिंग और मूल्यांकन करने, ग्राम सभा की भूमिका और प्रभावी बैठको का आयोजन करना होता है द्य इससे पंचायत की योजनाएँ अधिक प्रभावी बनेंगी, विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी,ग्रामीण विकास में समुदाय की भागीदारी बढ़ेगा द्य इसी क्रम में क्लाइमेट वारियर लीड सुनील कुमार ने ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना को जलवायु के मुद्दे से जोड़कर बताया कि जलवायु परिवर्तन से हमारे खेती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जैसे बारिश देर–से या तेज होना , सूखा–बाढ़ की आवृत्ति बढ़ना, फसल–चक्र बिगड़ना। गर्मी से गेहूँ–जैसी रबी फसलों की उपज घटना, कीट–रोगों का दबाव बढ़ना , सिंचाई की मॉग बढ़ना, भूजल स्तर गिरना, वर्षा पैटर्न बदलने से सिंचाई पर दबाव, खारे पानी का बढ़ना चावल, मक्का जैसी फसलों की उत्पादकता क्षेत्र–विशेष घट–बढ़ सकती है गर्म माहौल में नए रोगजनक फैलते हैं एवं निरंतर लागत बढ़ती है। और यह तभी संभव हैं जब ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना में हम सभी लोग मिलकर लक्ष्य, समय सीमा, क्रियान्वयन, निगरानी करते हैं तो और फसलों में छोटी अवधि की किस्में विविधीकरण, जल–संचयन, ड्रिप–सिंचाई, सोलर पंप को बढ़ावा देकर, मौसम–आधारित खेती के मुद्दों को केंद्र में रखकर ळव्क्च् प्लान बनाया जाय तो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सकता हैं। कार्यशाला उमेश, ममता, अनीता, सुधा, सुधा चौहान एवं 5 पंचायत से 20 सदस्य/ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

भरहिया चौराहा पर भव्य रूप से मनाई गई सम्राट अशोक की जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। मौर्य एकता परिषद के तत्वावधान में एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख मनोज मौर्य के नेतृत्व में ब्लॉक खुनियाँव के भरहिया चौराहा पर ष्देवानांप्रियष् सम्राट अशोक महान की जयंती बड़े ही धूमधाम और भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के आयोजक एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख मनोज मौर्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजन आपसी भाईचारे और एकता के प्रतीक होते हैं। उन्होंने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि आज समय की मांग है कि बेटियों को बेटों के समान अवसर और शिक्षा दी जाए। महिलाओं के प्रति समाज की सोच में बदलाव लाना आवश्यक है, क्योंकि वे हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। मुख्य अतिथि डॉ. प्रो. अरविंद मौर्य ने सम्राट अशोक के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका शासनकाल लोक कल्याणकारी योजनाओं का स्वर्णिम युग था। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया, जो आज भी प्रेरणादायक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. हंसराज कुशवाहा ने युवाओं और किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करेगा और अपने क्षेत्र के विकास में भागीदारी निभाएगा, तभी देश और प्रदेश वास्तविक प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। कार्यक्रम का संचालन बालजी मौर्य द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर ध्रुवचंद्र मौर्य, ग्राम प्रधान बलराम मौर्य, मुकेश, पूर्व प्रधान चंद्रिका प्रसाद मौर्य, शिवकुमार, डॉ. सत्येंद्र मौर्य, अखिलेश मौर्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त राकेश मौर्य, ग्राम प्रधान विजय, राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बजरंगी चौधरी, मनोज गौतम, सुधीर चौरसिया, दीपक यादव, शिक्षक तुलसीराम, हरिभजन, रामप्रकाश मौर्य एवं एडवोकेट तुलसीराम मौर्य सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अंक पत्र किया गया वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। आदर्श जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महदेवा में विद्यार्थियों को अंक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अंक पत्र पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय के अमन, रंजना, संध्या गुप्ता, रितेश, ममता, अर्पिता, दिव्यांश, आर्यांशी एवं रजनीश ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अपर्णा, अनन्या, सरिता, खुशी, चांदनी, शशि, प्रिया, विनय एवं अतुल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अभिषेक, शिवम, संध्या, अंकित, संजना, सविता, अनूप एवं दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आदर्श जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने सभी उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को अंक पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी छात्र–छात्राएँ आगे बढ़कर अपने माता–पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक आदित्य शंकर पाण्डेय, रामकेश यादव, सरिता, अमित पाण्डेय, मनोज दूबे, प्रमोद दूबे, हरीश, रामभवन, संध्या, आंचल, जया, मोनिका, संजय एवं नितीश गोस्वामी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में पीसीएस सफल अभ्यर्थियों के माता–पिता का सम्मान, जिले की प्रतिभाओं ने बढ़ाया मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपी पीसीएस 2024) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी युवाओं के माता–पिता को सम्मानित कर जिले में खुशी का माहौल देखने को मिला। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने एक कार्यक्रम के दौरान सफल अभ्यर्थियों के अभिभावकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों के माता–पिता को माल्यार्पण कर मिठाई खिलाई गई और उनकी खुशी में सभी ने भागीदारी निभाई। सम्मानित होने वालों में शोहरतगढ़ तहसील के शाहा निवासी एवं असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी पद पर चयनित शिवम ओझा के पिता ब्रह्मदेव ओझा, पलिया निधि के नायब तहसीलदार पद पर चयनित सत्यम मिश्रा की माता विजय लक्ष्मी, तथा जिला मुख्यालय के जगदीशपुर खुर्द के वाणिज्य कर अधिकारी पद पर चयनित अनुराग श्रीवास्तव के माता–पिता वीरेंद्र लाल श्रीवास्तव और प्रेमलता श्रीवास्तव शामिल रहे। मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर प्रशासनिक सेवाओं में सफलता प्राप्त करना बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थनगर जैसे आकांक्षी जनपद से बड़ी संख्या में युवाओं का पीसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफल होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि इन सफलताओं से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का मनोबल बढ़ेगा और अभिभावकों का भी बच्चों की शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ेगा। जिले के नौ युवाओं की इस उपलब्धि ने पूरे प्रदेश में सिद्धार्थनगर का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सभी सफल अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अटेवा सिद्धार्थनगर आज मनाएगा काला दिवस : बृजेश द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अटेवा मंच उत्तर प्रदेश के आह्वान पर अटेवा सिद्धार्थनगर द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक अप्रैल को "काला दिवस" मनाया जाएगा। इस दिन को काला दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि एक अप्रैल 2005 को उत्तर प्रदेश के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए एनपीएस (नई पेंशन योजना) लागू की गई थी, जिसे कर्मचारी वर्ग काला कानून मानता है। जिलाध्यक्ष बृजेश द्विवेदी ने बताया कि एनपीएस के विरोध को लगातार जारी रखते हुए इस वर्ष भी एक अप्रैल को काला दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षक एवं कर्मचारी अपने–अपने कार्यस्थलों पर कार्य करते हुए बांह में काली पट्टी बांधकर एनपीएस/यूपीएस का विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्यक्रम पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को और अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान श्री हरिराम शर्मा पब्लिक इंटर कॉलेज में हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। श्री हरिराम शर्मा पब्लिक इंटर कॉलेज सादड़ी खुनियाओं में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व वैज्ञानिक भारत सरकार व एसोसिएटेड कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी टोंगा डॉक्टर बेगराज सिंह जी ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा जरूरी है लेकिन उससे ज्यादा परिवार और विद्यालय का कर्तव्य होना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा संस्कारवान बने बच्चों के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है क्योंकि यह उनके व्यक्तिगत विकास उज्जवल भविष्य और एक अच्छा इंसान बनने के नीव रखती हैं शिक्षा बच्चों के आत्मविश्वास सही निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक कौशल विकसित करती है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है कार्यक्रम के मुख्य उद्घाटन करता उपनिदेशक राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के डॉक्टर रघुवीर शर्मा जी ने कहा बच्चों को जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सीख देने में स्कूल की भूमिका प्रशंसनीय है उन्होंने स्टाफ को बधाई दी और बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और विद्यालयों के प्रयासों की सराहना की कॉलेज के संस्थापक राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षक श्री हरिराम शर्मा ने कहा कि भविष्य वही रखेंगे जिनके पास ज्ञान के साथ–साथ कौशल भी होगा आज के समय में केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व संवाद कौशल निर्णय क्षमता टेक्नोलॉजी ज्ञान और समस्या समाधान जैसे कौशल विकसित करना समय की मांग है और इन कौशलों का रास्ता स्कूलों से होकर गुजरता है हमारा कॉलेज कौशल विकास की अग्रणी पंक्ति में है कॉलेज में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया इस दौरान प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए गए जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ और उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा जगी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ ठाकुर प्रसाद चौबे दिल्ली ने बच्चों को अनुशासन में रहने की सलाह दी मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ बलराम त्रिपाठी ने किया कॉलेज प्रबंधन डॉक्टर भास्कर शर्मा ने अभिभावकों के भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमित परामर्श और सफलता के ट्रैक पर बने रहने के लिए सही रणनीति का होना अनिवार्य है कार्यक्रम के अंत में आगामी सत्र के लिए छात्रों को शुभकामनाएं दी गई यह आयोजन विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है कार्यक्रम में डॉ दिनेश कुमार संजय मौर्य, सोनू तिवारी, दिलीप कुमार, शिल्पा शर्मा, शीतल शर्मा, मनोज कुमार गौतम, शशिकांत, अन्नू त्रिपाठी, आदि लोग मौजूद रहे ।

सम्पादकीय

मां–बाप की देखभाल के लिए कानूनी बाध्यता

ऐसे मामलों में माता–पिता तथा कर्मचारी को सुनवाई का मौका मिलेगा। कलेक्टर को साठ दिनों के भीतर शिकायत का निस्तारण करना होगा। फैसले के बाद कर्मचारी के वेतन से काटी गई राशि सीधे मां–बाप के खाते में जाएगी। उल्लेखनीय है कि केवल जैविक माता–पिता ही नहीं, सौतेले माता–पिता भी शिकायत करने के हकदार होंगे। इस विधेयक में इस बात का प्रावधान भी है कि ...

वैसे तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक है कि जन्म देकर पालन–पोषण करने वालेमां–बाप की जीवन की सांझ में बेकद्री की जाए। फिर गुजारे भत्ते के लिये कानून–प्रशासन से मांग करनी पड़े। लेकिन यह मौजूदा समय की हकीकत है कि ऐसे किस्से गाहे–बगाहे सुनने को मिलते हैं। सही मायनों में बुढ़ापा अपने आप में बड़ी चुनौती है, जब शरीर की क्षमताओं का ह्रास होने लगता है और आय के स्रोत लगभग खत्म होने लगते हैं। सेवानिवृत्ति की जमा–पूंजी बच्चों की पढ़ाई, शादी–ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। उन लोगों की स्थिति तो और दुखद हो जाती है जो निजी क्षेत्र या किसी प्राइवेट काम–ध ंधे में लगे रहते हैं। उन्हें तो पेंशन भी नहीं मिलती। वहीं धीरे–धीरे अक्षम होता शरीर उम्रदराज होने पर लगने वाली बीमारियों का घर बन जाता है। ऐसे स्थिति में अपने जब मां–बाप की देखभाल न करें तो यह एक सामाजिक अपराध ही कहा जाएगा। जाहिर है, जब खून के रिश्ते साथ न दें तो कानून ही अंतिम सहारा रह जाता है। इस दिशा में तेलंगाना विधानसभा में पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता–पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 पूरे देश के बुजुर्गों के लिये एक नई उम्मीद जगाता है। इस राज्य की विधानसभा ने बीते रविवार वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित किया। निस्संदेह, देश में पहले से एक राष्ट्रीय कानून 'माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन नये विधेयक का दायरा विस्तृत है। जो पहले कानून की कुछ विसंगतियों को दूर करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के नये विधेयक के दायरे में जनप्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। यह विधेयक जन प्रतिनिधियों, सरकारी व निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से बुजुर्ग माता–पिता की देखभाल करना सुनिश्चित करता है। तेलंगाना विधानसभा में पारित यह विधेयक यकीनी बनाता है कि यदि बच्चे मां–बाप की देखभाल नहीं करते तो उनके वेतन से पंद्रह फीसदी या दस हजार रुपये, जो भी कम है, शिकायत मिलने पर माता–पिता को देय राशि के रूप में काटे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अपनी चल–अचल संपत्ति बेटे के नाम करने वाले मशहूर कारोबारी विजयपत सिंघानिया की बेदखली का एक मामला चर्चा में आया था। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा और देश में प्रभावी कानून बनाए जाने की चर्चा तेज हुई थी। यह सुखद ही है कि तेलंगाना सरकार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह पहल की। सरकार का कथन है कि समाज में नैतिक दायित्वों को बढ़ावा देना इस विधेयक का मकसद है। यदि बच्चे अपना दायित्व नहीं निभाते तो कानून के जरिये उन्हें इसके लिये बाध्य किया जा सकेगा। इस विधेयक में प्रावधान है कि बच्चों द्वारा मां–बाप का भरण–पोषण न करने पर वे जिला कलेक्टर के सामने आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह कानून न केवल सरकारी कर्मचारियों पर बल्कि निजी क्षेत्र के कर्मियों, सांसदों, विधायकों, मनोनीत सदस्यों तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। निश्चित रूप से भारतीय परिवार परंपरा में सदियों से गरिमापूर्ण स्थान रखने वाले माता–पिता के सम्मान व जीवन–यापन सुनिश्चित करने की दिशा में यह विधेयक एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस विधेयक में जहां कलेक्टर को नामित प्राधिकारी बनाया गया है, वहीं माता–पिता को भी संपत्ति के बंटवारे की स्थिति व आय की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। ऐसे मामलों में माता–पिता तथा कर्मचारी को सुनवाई का मौका मिलेगा। कलेक्टर को साठ दिनों के भीतर शिकायत का निस्तारण करना होगा। फैसले के बाद कर्मचारी के वेतन से काटी गई राशि सीधे मां–बाप के खाते में जाएगी। उल्लेखनीय है कि केवल जैविक माता–पिता ही नहीं, सौतेले माता–पिता भी शिकायत करने के हकदार होंगे। इस विधेयक में इस बात का प्रावधान भी है कि इस बाबत शिकायतों की सुनवाई के लिये वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन किया जाएगा। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आयोग के मुख्य आयुक्त के रूप में काम करेंगे। अर्ध न्यायिक शक्तियों वाले आयोग में प्रशासन व सामाजिक क्षेत्र के अनुभव वाले दो सदस्य भी होंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह विधेयक वरिष्ठ नागरिकों के जीवन–यापन व सम्मान बहाली में सहायक होगा।

ट्रंप की सनक वाला दुनिया का सबसे महंगा 'थ्रिलर'

ट्रंप साहब जैसे मंझे हुए व्यापारी को 'इन्वेस्टमेंट' पर 'रिटर्न' चाहिए, लाशें नहीं। इसलिए वे 'युद्ध–युद्ध' चिल्लाते हैं ताकि दुनियाभर में अनिश्चितता बनी रहे और अमेरिका के हथियारों का बाजार सजता रहे। आजकल अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अखाड़े में एक नया रियलिटी शो चल रहा है, जिसका नाम है 'ईरान वॉर ड्रामा'। इस शो के प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और मुख्य अभिनेता डोनाल्ड ट्रंप खुद हैं। अगर आप इसे शुद्ध कूटनीति की नजर से देखेंगे, तो शायद आपको टेंशन हो जाए, लेकिन अगर आप इसे 'पॉलिटिकल बिजनेस' और 'टीआरपी' के चश्मे से देखेंगे, तो आपको इसमें हंसी और अर्थशास्त्र का एक गजब का मेल नजर आएगा। पुराने जमाने में राजा–महाराजा जब युद्ध करते थे, तो बाकायदा चिट्ठी भेजते थे, हाथी–घोड़े सजाते थे। आज के दौर में ट्रंप साहब सुबह की चाय के साथ अपने फोन पर अंगूठा चलाते हैं और ईरान को 'भस्म' करने की धमकी दे देते हैं। यह युद्ध जमीन पर कम और ट्विटर अब एक्स के सर्वर पर ज्यादा लड़ा जा रहा है। दरअसल, ट्रंप का 'वॉर ड्रामा' कोई सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक 'मार्केटिंग स्टंट' है। उनका सीधा–सा गणित हैकृसामने वाले को इतना डराओ कि वह डर के मारे 'डील' की मेज पर आ जाए। ट्रंप साहब को लगता है कि ईरान कोई देश नहीं, बल्कि वॉलमार्ट का एक जिद्दी सप्लायर है, जिसे थोड़ा धमकाने पर वह डिस्काउंट देने लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच जब भी तनाव की खबरें आती हैं, तो सबसे पहले पेंटागन नहीं, बल्कि दुनियाभर के शेयर बाजार जागते हैं। ट्रंप साहब का एक ट्वीट तेल की कीमतों में वो उछाल लाता है, जो शायद अरब के तेल शेखों की दस बैठकें भी नहीं ला पातीं। व्यंग्य की भाषा में कहें तो, 'युद्ध वो है, जिसमें सिपाही मरता है, और ड्रामा वो है, जिसमें कच्चे तेल के व्यापारियों का मुनाफा बढ़ता है।' ट्रंप जानते हैं कि युद्ध महंगा सौदा है। एक मिसाइल की कीमत में फ्लोरिडा में दो शानदार गोल्फ कोर्स बन सकते हैं। और ट्रंप साहब जैसे मंझे हुए व्यापारी को 'इन्वेस्टमेंट' पर 'रिटर्न' चाहिए, लाशें नहीं। इसलिए वे 'युद्ध–युद्ध' चिल्लाते हैं ताकि दुनियाभर में अनिश्चितता बनी रहे और अमेरिका के हथियारों का बाजार सजता रहे। ईरानी 'कालीन' बेचने वाली कौम हैं। वे मोलभाव की कला में तब से माहिर हैं जब अमेरिका का नक्शा भी नहीं बना था। ट्रंप सोचते हैं कि प्रतिबंध लगाकर ईरान को घुटनों पर ले आएंगे। लेकिन यहां मामला उल्टा पड़ गया है। ईरान वाले कहते हैंकृ 'हम भूखे रह लेंगे, लेकिन झुकेंगे नहीं।' अमेरिका में जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, तो वाइट हाउस को एक 'विलेन' की जरूरत होती है। जब घर के अंदर बेरोजगारी, महंगाई और हेल्थकेयर जैसे मुद्दे सिर उठाने लगते हैं, तो जनता का ध यान भटकाने के लिए सात समंदर पार एक 'दुश्मन' खड़ा कर देना सबसे पुराना सियासी फार्मूला है।

कष्ट दूर करने वाले 'भक्तशिरोमणि' हनुमान

मायावी शक्तियों के प्रयोग से स्वयं भगवान श्रीराम और लक्ष्मणजी को मूर्च्छित कर पाताल लोक ले गया था, तब हनुमानजी भी उसका पीछा करते हुए पाताल लोक पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने देखा कि अहिरावण ने पांचों दिशाओं में पांच दिये जला रखे हैं। दरअसल, उसे यह वरदान प्राप्त था कि जब तक कोई इन पांचों ...

अनगिन गुणों के स्वामी और भगवान शिव के 11वें रुद्र के रूप में त्रेतायुग में पृथ्वी पर अवतरित होने वाले हनुमानजी एक सक्षम गुरु, मार्गदर्शक, अन्वेषक, साधक एवं भक्ति के सिरमौर 'भक्त शिरोमणि' हैं। वैसे तो, भक्त और साधक हनुमद् उपासना सालों भर करते ही हैं, लेकिन महावीर हनुमानजी महाराज की उपासना का एक प्रमुख अवसर हनुमान जन्मोत्सव भी होता है। बल, बुद्धि, विद्या, शक्ति, भक्ति, मुक्ति, आस्था, पराक्रम, पुरुषार्थ, कर्तव्य परायणता, कर्मठता, वैराग्य, विनम्रता, निःस्वार्थ सेवा–भावना और मर्यादा–पालन के मामले में तीनों लोकों में अद्वितीय हनुमानजी महाराज सामान्य जनों के साथ–साथ ऋषि–मुनि, संत और साधु समाज की भी पूर्ण आस्था के केन्द्र हैं। अनगिन गुणों के स्वामी और भगवान शिव के 11वें रुद्र के रूप में त्रेतायुग में पृथ्वी पर अवतरित होने वाले हनुमानजी एक सक्षम गुरु, मार्गदर्शक, अन्वेषक, साधक एवं भक्ति के सिरमौर 'भक्त शिरोमणि' हैं। वैसे तो, भक्त और साधक हनुमद् उपासना सालों भर करते ही हैं, लेकिन महावीर हनुमानजी महाराज की उपासना का एक प्रमुख अवसर हनुमान जन्मोत्सव भी होता है, जो प्रत्येक वर्ष चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि को पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपूर्ण भारत में मनाया जाता है। इस वर्ष 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' 2 अप्रैल को मनाया जायेगा।

शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार, 'हनुमान जयंती' के अवसर पर हनुमानजी महाराज का तत्त्व पृथ्वी पर अन्य अवसरों की अपेक्षा 1000 गुना अधिक सक्रिय रहता है। इसलिए इस तिथि को हनुमानजी के मंत्र 'श्री हनुमते नमः' का जप करने पर 'हनुमान तत्त्व' का अधिकाधिक लाभ मिलता है। शास्त्रों में वर्णन है कि इस अवसर पर हनुमानजी के नामजप करने से अनिष्ट अथवा बुरी शक्तियों से पीडित व्यक्ति के सभी शारीरिक, मानसिक, भौतिक एवं आध्यात्मिक कष्टों और बाधाओं का निवारण होता है। इनके अतिरिक्त, नामजप करने वाले व्यक्ति को हनुमानजी के चौतन्य का लाभ भी मिलता है। शास्त्र बताते हैं कि विधिवतद्, निर्विरोध एवं भावपूर्ण नामजप संपन्न हो सके इसके लिए, नामजप आरंभ करने से पूर्व भक्तों को श्री हनुमानजी महाराज के चरणों में इस हेतु प्रार्थना करनी चाहिए।

प्रबल प्रकट शक्ति

अन्य देवताओं की तुलना में हनुमानजी में अत्यधिक प्रकट शक्ति है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अन्य देवताओं में प्रकट शक्ति केवल 10 प्रतिशत होती है, जबकि हनुमानजी में यह शक्ति 72 प्रतिशत होती है। हनुमानजी महाराज की उपासना से कुंडलिनी जागरण के मार्ग में आने वाली बाधाएं दूर हो जाती हैं तथा कुंडलिनी को उचित दिशा भी मिलती है। साथ ही, भूत–बाधा, जादू–टोना, अथवा पितृदोष जनित कष्टों, शनि–पीडा आदि का निवारण भी होता है। सनातनी मान्यताओं के अनुसार, लंबी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को स्वस्थ करने के लिए हनुमानजी के मंदिर में ले जाने से मनोवांछित लाभ प्राप्त होता है।

हिंदू संस्कृति में देवी–देवताओं की पूजा–आराधना में मंत्रों के प्रयोग की बड़ी महिमा बतायी गयी है। शास्त्र बताते हैं कि हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए मंत्रों का प्रयोग अत्यंत उपयोगी एवं कारगर होता है।

उपासना का विशेष अवसर

सनातन धर्म में शनिवार और मंगलवार हनुमानजी की उपासना के लिए विशेष अवसर माने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन दोनों दिनों को हनुमानजी की उपासना करने से श्रीराम भक्त हनुमानजी शीघ्र प्रसन्न होते हैं। शास्त्रों में वर्णन है कि इन दोनों दिनों को मंदिर में हनुमानजी को सिंदूर एवं तिल का तेल अर्पित करने के अद्भुत लाभ होते हैं। वहीं, कुछ हनुमान मंदिरों में नारियल अर्पित करने की भी प्रथा है।

नामजप का महत्त्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलियुग में सर्वश्रेष्ठ, सरल, सुलभ तथा भगवान एवं अपने ईष्ट देवता से सतत सान्निध्य बनाये रखने वाली एकमात्र उपासना उस देवता का नामजप है। शास्त्रों में बताया गया है कि अपने 'ईष्ट' देवता का तत्त्व' अधिकाधिक ग्रहण करने के लिए नामजप का ठीक–ठीक उच्चारण करना आवश्यक होता है।

पंचमुखी अवतार

रामायण की कथा के अनुसार, लंका में श्रीराम–रावण युद्ध के समय जब रावण के भाई अहिरावण अपनी मायावी शक्तियों के प्रयोग से स्वयं भगवान श्रीराम और लक्ष्मणजी को मूर्च्छित कर पाताल लोक ले गया था, तब हनुमानजी भी उसका पीछा करते हुए पाताल लोक पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने देखा कि अहिरावण ने पांचों दिशाओं में पांच दिये जला रखे हैं। दरअसल, उसे यह वरदान प्राप्त था कि जब तक कोई इन पांचों दीपकों को एक साथ नहीं बुझायेगा, अहिरावण का वध नहीं किया जा सकेगा। अहिरावण की इसी माया को समाप्त करने के लिए श्रीराम भक्त हनुमानजी ने पंचमुखी अवतार लिया और पांचों दीपकों को एक साथ बुझाने के बाद अहिरावण का वध किया था। इसके उपरांत तीनों लोकों के स्वामी प्रभु श्रीराम और लक्ष्मणजी अहिरावण के बंधन से मुक्त हो पाये थे।

यूपीएससी परीक्षा के जुनून से प्रभावित शैक्षिक वातावरण

इसी तरह, हरेक समझदार शिक्षाविद आपको बताएगा कि यूपीएससी के प्रति यह दीवानगी हमारे कश्वलेजों और विश्वविद्यालयों में अकादमिक संस्कृति की गंभीरता को नष्ट कर रही है। यूपीएससी की तैयारी करने वाले आम छात्र के लिए, ज्ञान की गहराई मायने नहीं रखती, बल्कि वह चीज मायने रखती है जिसे कोचिंग इंडस्ट्री 'सफलता के मैनुअल' यानी नुस्खे के तौर पर बेचती है। तब वह नियमित ...

देश में यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के जुनून के कारण लाखों युवा मानसिक रूप से आहत हो रहे हैं और असफलता के दंश को भी झेल रहे हैं। वहीं इस परीक्षा के प्रति दीवानगी शैक्षणिक संस्कृ ति की गंभीरता पर भी असर डाल रही है। हाल ही में, राष्ट्रीय राजधानी के एक अग्रणी महिला कॉलेज ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा–2025 में शीर्ष रैंक हासिल करने वाली अपनी दस पूर्व छात्राओं को सम्मानित किया। कॉलेज की प्रिंसिपल ने इन 'बदलाव के वाहकों' की सफलता गाथाओं का बखान किया, युवा छात्राओं को उनसे बातचीत करने अवसर मिला और उन 'गुरों' को सीखने का अवसर मिला, ताकि उन्हें भी इस अत्यंत प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए जरूरी महारत हासिल हो सके। यह जोड़ने की जरूरत नहीं कि इस किस्म के आयोजन, जैसा कि कॉलेज की प्रिंसिपल ने सोचा होगा, वर्तमान छात्राओं में गर्व की भावना जगाने और उन्हें जीवन में अच्छा करने के लिए प्रेरित करने हेतु आवश्यक है। जहां मैं प्रिंसिपल और कॉलेज की इन दस पूर्व छात्राओं को बधाई देता हूं, वहीं मैं यह प्रार्थना करना नहीं भूलता कि ये 'सफल हस्तियां' अपने अहंकार पर काबू रख सकेंगी, विनम्र बनी रहेंगी,और अपने पदों से जुड़ी सत्ता और विशेषाधिकारों के मोहक जाल से खुद को दूर रखने का नैतिक साहस पा सकेंगी। हालांकि, ज्ञान की राजनीति और समाजशास्त्र में मेरी गहरी रुचि के कारण, परेशान करने वाला एक प्रश्न मुझे कचोटता रहता है। ऐसा क्यों है कि उदार कला एवं मानविकी संकाय के लिए जाना जाने वाला एक कॉलेज अपनी हैसियत सिद्ध करने के लिए यूपीएससी टॉपर्स को प्रदर्शित करने पर विवश है? मैं खुद से पूछता हूं क्या कॉलेज को अपनी इन पूर्व छात्राओं पर तब भी उतना ही गर्व होता, यदि उन्होंने जीवन का कोई बिल्कुल अलग मार्ग मनोवैज्ञानिक के रूप में? इस बात को स्वीकार करें। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जिसने 'सफलता' और 'असफलता' की अपनी अलग अवधारणा गढ़ रखी है। कोई आश्चर्य नहीं कि शिक्षा का उद्देश्य अक्सर सफलता और असफलता को उपयोगिता के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। मसलन, यदि आप विज्ञान विषय चुनते हैं, तो आपको बार–बार यही कहा जाता है कि आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनना है। या, इसी क्रम में, यदि आप मानविकी और सामाजिक विज्ञान चुनते हैं, तो आपका तब तक उद्धार नहीं हो सकता, जब तक आप यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास करके आईएएसध् आईपीएस अधिकारी नहीं बन जाते! दरअसल, जिस तरह मध्यम–वर्गीय परिवार सफलता को लेकर प्रचलित इस सोच को आत्मसात कर लेते हैं, या फिर शिक्षा की यांत्रिक उपयोगिता ने युवाओं के लिए जीवन के अन्य रास्ते सोचना और उनके लिए कोशिश करना बेहद मुश्किल कर दिया है। इसलिए, समझा जा सकता है उदार कला एवं मानविकी विषय के लिए विख्यात कोई कॉलेज यूपीएससी टॉपर्स को अपना रोल मॉडल क्यों मानता है। तथापि, यह अहसास होना भी उतना ही जरूरी है कि सफलता को लेकर समाज द्वारा बनाई गई ऐसी सोच ने जिस चीज को जन्म दिया है, उसका नामकरण मैं 'यूपीएससी के जुनून की बीमारी' करना चाहूंगाकृजिस तरह इसने 3000 करोड़ का भारी मुनाफा कमाने वाला 'कोचिंग उद्योग' खड़ा कर दिया है, अनगिनत युवा दिमागों की महत्त्वपूर्ण एवं रचनात्मक ऊर्जा को खत्म कर डाला है, और हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सक्रियता व सहभागितापूर्ण शिक्षण और शोध की भावना को नुकसान पहुंचाया है। भले ही हमें 'सफलता' गाथाएं सुनना भाता है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आईएएसध् आईपीएसध् संबद्ध सेवाओं के लिए इस एकतरफा और जुनून–भरी दीवानगी की वजह से, हम लाखों युवाओं को मानसिक रूप से आहत होते और 'असफलता' का दंश झेलते हुए देख रहे हैं। आखध्रिकार, आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं, अगर मान लीजिए, दस लाख आवेदकों में से सिर्फ एक हजार खुशकिस्मत लोगों को ही इन प्रतिष्ठित नौकरियों के लिए चुना जाता है? जहां एक ओर 'सफलता' का जश्न मनाया जाता है और उसकी जय–जयकार होती है वहीं दूसरी तरफ हम असफलता की पीड़ा भुला देते हैं। हो सकता है कि कोई युवा एक स्कूल शिक्षक, मानव–विज्ञानी, खिलाड़ी या फिल्म–निर्माता के तौर पर बहुत अच्छा कर सकता है। लेकिन, यूपीएससी के प्रति जुनून की वजह से उसकी जवानी का एक बड़ा हिस्सा कोचिंग सेंटरों के चक्कर लगाने, भारी मात्रा में पैसे खर्च करने, और इतिहास, समसामयिक घटनाक्रम, समाजशास्त्र और राजनीतिक सिद्धांत के उन सभी 'नोट्स' को रटने में बर्बाद हो जाता है, जिन्हें 'कोचिंग गुरु बड़े धूम–धड़ाके से बेचते हैं और रातों–रात करोड़पति बन जाते हैं। सच में, यह शिक्षा की स्थिति और हमारे युवा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक दुखद टिप्पणी है।

एफ–15, एफ–35, बी–52 हवा में रोका, अमेरिका को कैसे नाटो देश ने अच्छे से ठोका

ऐसा देश जिसने अमेरिका को परेशान कर दिया है। अमेरिका के लड़ाकू विमान उसके हवाई क्षेत्र से जा रहे थे। उसने कहा रुको ऐसा है कि ईरान पर हमला करने के लिए हम अपना हवाई स्पेस नहीं देंगे। यह कोई और देश नहीं है बल्कि नाटो का सहयोगी या सदस्य है। नाम है स्पेन। स्पेन की सरकार ने एक बड़ा फैसला किया। उसने साफ–साफ घोषणा की कि ईरान पर हमले के लिए जा रहे किसी भी लड़ाकू विमान को अमेरिकी युद्धक विमान को स्पेन की हवाई क्षेत्र से गुजरने नहीं देंगे या वहां के संयुक्त सैन्य ठिकानों जैसा रोटा नौसेना बेस है मॉरेन एयरबेस है इसका इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। स्पेनिश अखबार एल पाइस ने प्रकाशित की। जिसके बाद दुनिया भर के अखबारों ने इस खबर के बारे में बातचीत की है। जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतहू ने ये कहा कि हमने भैया युद्ध की शुरुआत कर दी 28 फरवरी को। उसके बाद मार्च की शुरुआत में ही ये फैसला हुआ कि ये जो हमला अमेरिका और इजराइल अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करके ईरान पर कर रहा है उसके लिए वो इसकी इजाजत नहीं देगा अपने वायु सीमा की। अमेरिकी युद्धक विमान जैसा कि एफ–15, एफ–35, बी–52 अह स्ट्रेटोफोटेस और टैंकर विमान ट्रांस अटलांटिक रूट से ही जाते हैं। इसमें स्पेन का रोटा और मॉरेन बेस जो है बहुत महत्वपूर्ण स्ट्रेटेजिंग पॉइंट है। विमान यहां लैंड करते हैं, रिफ्यूलिंग करते हैं यानी कि ईंधन भरवाते हैं। फिर भूमध्य सागर पार कर मध्य पूर्व पहुंचते हैं। यह रूट पूर्वी अमेरिका से अटलांटिक महासागर पार करने का सबसे छोटा और कारगर रास्ता था। 24 मार्च को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ठ52 विमानों की मिड एयर रिफ्यूलिंग की तस्वीरें पोस्ट की जो ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का हिस्सा था। इससे साफ था कि अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी में है और ठ52 बॉम्बस का भी इस्तेमाल कर रहा है।

स्पेन ने अमेरिका को संयुक्त बेस इस्तेमाल करने से मना कर दिया। विदेश मंत्री स्पेन के जोस मैनुअल अल्बोरेस ने कहा कि बेस यूएन चार्टर और स्पेन अमेरिका समझौतों के बाहर किसी भी काम के लिए नहीं इस्तेमाल होगा। 30 मार्च 2026 को स्पेन ने फिर दोहराया कि ना तो हवाई क्षेत्र की अनुमति है ना बेस का इस्तेमाल। रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोब्स ने कहा कि हम ना सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल होने देने की अनुमति देते हैं। ना ही ईरान में युद्ध से संबंधित किसी काम के लिए हवाई क्षेत्र का अर्थव्यवस्था मंत्री ने रेडियो पर कहा है कि यह फैसला स्पेन की नीति का हिस्सा है। एकतरफा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ युद्ध में हिस्सा ना लेना। पीएम पेंड्रो साचेंज ने भी हमलों को लापरवाह और गैर कानानूनी पहले ही बताया है। अमेरिकी विमानों को अब जो है जर्मनी, इटली या पुर्तगाल के रास्ते जाना पड़ रहा है। रूट लंबा है, महंगा भी है। ट्रंप ने स्पेन के साथ व्यापार संबंध तोड़ने की धमकी दी। लेकिन इससे स्पेन डगमगाया नहीं। स्पेन की जो वामपंथी सरकार है सोशलिस्ट पार्टी के तहत जो है पेड्रोस चेंज का स्पष्ट रुख है कि अमेरिका इजराइल के एक तरफा हमलों का वो समर्थन नहीं करेगा।

जैमी ओवर्टन ने तोड़ा एमएस धोनी का रिकॉर्ड, सीएसके के लिए किया ये कारनामा

आईपीएल 2026 का तीसरा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और

चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया। जिसे राजस्थान रॉयल्स ने जीत लिया। वहीं इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी बेहद कमजोर दिखी। जैमी ओवर्टन के कारण ही सीएसके अपनी नाक बचा पाई क्योंकि अगर ओवर्टन नहीं होते तो चेन्नई 100 रन से कम के स्कोर पर ऑल आउट हो जाती। हालांकि, चेन्नई को फिर भी जीत नहीं मिल सकी। वहीं 43 रन अकेले दम पर जैमी ओवर्टन ने ही बनाए और एमएस धोनी का रिकॉर्ड धराशायी कर दिया।

बता दें कि, एमएस धोनी चोट के कारण कई मैचों में बाहर बैठेंगे और इस मैच में भी वह नहीं थे। इस मैच में एमएस धोनी कीकमी टीम को खली और टीम बुरी तरह से इस मैच को हारी। वहीं आईपीएल में सीएसके के लिए एमएस धोनी ने अब तक 6 मैच मिल कए हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम को हार झेलनी पड़ी।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक ये रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की 43 रन बनाए। इसी पारी की बदौलत टीम का स्कोर 120 के पार पहुंचा। वहीं इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 43 रन की पारी खेली। 119.44 का उनका स्ट्राइक रेट इस पारी में था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज थे, जो दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। जबकि अन्य बल्लेबाज बुरी तरह से फेल साबित हुए।

वैभव सूर्यवंशी से कप्तान रियान पराग ने किया वादा, सीएसके के खिलाफ युवा बल्लेबाज ने खेली कमाल की पारी

आईपीएल 2025 के बाद अब आईपीएल 2026 में भी राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले ही मैच में खुद को साबित कर दिया है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से फिफ्टी जड़ी। इससे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग खुश नजर आए और उन्होंने वादा कर दिया कि वे सारे मैच उनको ही खिलाएंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के बाद रॉयल्स कप्तान रियान पराग से जब वैभव सूर्यवंशी के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे? इसके जवाब में पराग ने कहा कि, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम

में चाहे कुछ भी हो तुम्हें इससे परेशान नहीं होना है। मीडिया में जो कुछ भी चल रहा है, उससे तुम्हें परेशान नहीं होना चाहिए। तुम बस मैदान पर जाओ। उसे बैटिंग करना पसंद है। मैंने पक्का किया है कि मैंने कोच को बता दिया है कि उसे जितनी बैटिंग चाहिए, उतनी करने दो और वह जाकर कुछ चीजें करता है। मैं और ध्रुव जब हम चौथे ओर तक वहां बैठे थे, तो हम बस हैरान थे। जैसे कि क्या हो रहा है? जैसे वह ये कैसे कर रहा है? लेकिन फिर मैं उसे अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं।

रियान पराग ने सीएसके के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था और 17वीं गेंद पर वे अपना विकेट खो बैठे। उस समय तक वे 4 चौके और 5 छक्के अपनी पारी में जड़ चुके थे और 52 रन बनाकर राजस्थान के लिए जीत लगभग सुनिश्चित कर चुके थे। 305.88 का स्ट्राइक रेट इस पारी में वैभव का रहा। वे आईपीएल के इतिहास के सबसे युवा बल्लेबाज हैं जो शतक भी जड़ चुके हैं। अर्धशतक भी उन्हीं का सबसे कम उम्र में आया है। पिछले सीजन वे आधे सत्र से खेले थे, लेकिन अब सभी मैचों में नजर आने वाले हैं।

बीसीसीआई के समर्थन में उतरे सौरव गांगुली, कहा– पारंपरिक केंद्र ही नहीं हर जगह खेले जायें टेस्ट

भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026–27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले

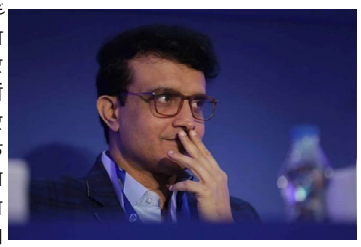

जायेंगे। गांगुली ने स्पोर्टसस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा ,'' ईडन गार्डस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिये।'' गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं।

वहीं अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बीसीसीआई के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता (तीन जनवरी , 2027) और मुंबई (नौ जनवरी, 2027) में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे होंगे जबकि दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ वनडे खेला जायेगा। पहली बार इस मसले पर बोलते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने कहा ,'' पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। चेन्नई , गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है।वहां सुविधायें काफी अच्छी है।''

वहीं भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा ,'' हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था और मुझे लगता है कि फिर ऐसा ही होना चाहिये।'' गांगुली ने इस मौके पर यह भी कहा कि ईडन गार्डस पर 2001 की टीम के मिलने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा ,'' हम ईडन पर यह समारोह करेंगे। इस महीने की शुरूआत में होना था लेकिन सचिन तेंदुलकर के बेटे की शादी के कारण देर हो गई।

जमीन पर आए तो आसमान में भेंज देंगे

ईरान ने ट्रंप की सेना को दिखा दिया ट्रेलर

अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का तेल और उसकी जमीन कब्जा लेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वह ईरान का तेल अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। 29 मार्च को फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रंप बोले मुझे सबसे अच्छा यही लगता है कि हम ईरान का तेल ले लें। उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की जहां राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उठाने के बाद से वहां के तेल इंडस्ट्री को लंबे समय तक अपने कंट्रोल में रखने की योजना बनाई गई है। ईरान का ज्यादातर तेल एक ही जगह से बाहर आता है खार्ग आइलैंड से।

ईरानी नेवी के हेलीकॉप्टर और सिर पर लाल हरी पट्टियां बांधे पासदाराने इस्लाम के जवान तैयार हैं अपनी जमीन की अपनी बॉर्डर की हिफाजत के लिए। ईरान का खार्ग आइलैंड जो रणनीतिक नजरिए से बेहद अहम है जिन पर दुश्मन घात लगाए बैठा है। ऐसे में ईरान ने अपनी नेवी और फोर्सेस मुस्तैद कर दी हैं। इस मंसूबे के साथ कि अगर यहां दुश्मन के कदम पड़ गए तो

उनकी कब्रें वहीं बना दी जाएं। खार्ग, केशम, अबू मूसा, ग्रेटर और लेसर तनाब जैसे द्वीपों पर जजीरों पर ईरान ने अपनी फोर्स लगा दी है। ईरान के मीडिया प्रेस टीवी पर जारी वीडियो में दिखाया गया है कि द्वीपों पर ईरान अपनी फौजें उतार रहा है। कहा जा रहा है कि अमेरिका के फौजियों को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। यह हक और हकूक की जंग है। इमाम अली के चाहने वालों की जंग है। दरअसल जिस आक्रामक अंदाज में इन जजीरों पर ईरान ने अपनी फर्सेस लगाई है, वो ईरान के लिए महत्वपूर्ण है।

खर्ग आइलैंड तो ईरान के लिए अन्नदाता की भूमिका निभाता है। यहां से ईरान का 90: तेल एक्सपोर्ट होता है। लेकिन पिछले एक महीने से इसराइल और अमेरिकी हमले झेल रहे ईरान के सामने इस वक्त सबसे बड़ा चौलेंज अपने इस द्वीप को बचाने का है। बचाना इसलिए है क्योंकि अमेरिका इस जजीरे पर गिद्ध की नजर गड़ाए बैठा है। इस द्वीप को इसराइल ने टारगेट बनाने का प्रयास भी किया। था। खर्ग सिर्फ एक आइलैंड ही नहीं, समुंदर के बीच जमीन का एक टुकड़ा ही नहीं बल्कि ईरान की इकॉनमी की धड़कन है। यही वो जगह है जहां से ईरान का तेल दुनिया भर में जाता है। अगर यह रुक जाए तो ईरान की इकॉनमी करीब–करीब ठप होने का खतरा है। इसलिए खर्ग आइलैंड को बचाने के लिए ईरान ने कमर कस ली है। कुछ तस्वीरें तो सोशल मीडिया पर यह भी आई थी कि ईरान के आम नौजवान खर आइलैंड को बचाने खुद ही लड़ने के लिए निकल गए हैं। ऐसा ही है केशम द्वीप जो कि फारस की खाड़ी पर मौजूद है और यहां पर भी ईरान ने अपनी नेवी अपनी फोर्सेस मुस्तैद कर दी हैं। 7 मार्च 2026 को अमेरिकी इसराइल एयर स्ट्राइक ने द्वीप के डिसलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया था, जिसमें 30 गांव की पानी की सप्लाई ठप हो गई थी। इसके जवाब में आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया था और उन्हें नाबूद करके रख दिया था।

वैभव सूर्यवंशी ने इन दिग्गजों का तोड़ा रिकॉर्ड, 300 की स्ट्राइक रेट वाले खास क्लब में की एंट्री

आईपीएल 2026 के तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के युवा 15 साल के ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कमाल की पारी खेली और अर्धशतक लगाते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मुकाबले में राजस्थान को 8 विकेट से जीत मिली और वैभव ने 17 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। वैभव ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान 5 बेहतरीन छक्के और 4 चौके भी जड़े साथ ही साथ उनका स्ट्राइक रेट 305.88 का रहा। वैभव ने अपनी इस पारी के दम पर दो बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किए जिसमें उन्होंने सुरेश रैना, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे समेत 8 भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ा साथ ही साथ इस लीग में 300 की स्ट्राइक रेट से 50 प्लस की पारी खेलने वाले बैटर्स की लिस्ट में भी एंट्री मारी।

कोन बाजार की सफाई नहीं होने से दुकानदार परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विकास खंड कोन के मुख्य बाजार में इन दिनों साफ–सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। जगह–जगह कूड़े और प्लास्टिक जमा होने से बाजार में गंदगी फैल रही है, जिससे स्थानीय लोगों और दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना

करना पड़ रहा है। कूड़े से उठ रही दुर्गंध और बढ़ते प्रदूषण के कारण आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।स्थानीय दुकानदारों राजू, सुनील, दिलकश, चंदन, अरविंद और अर्जुन सहित दर्जनों व्यापारियों ने बताया कि कोन ग्राम पंचायत में कई सफाई कर्मियों की नियुक्ति के बावजूद बाजार की नियमित सफाई नहीं हो पा रही है। उनका कहना है कि कई–कई महीनों तक सफाई नहीं होने से कूड़ा इकट्ठा होकर सड़कों और नालियों में फैल जाता है, जिससे राहगीरों को भी दिक्कत होती है। दुकानदारों ने यह भी आरोप लगाया कि सफाई कर्मियों के साथ–साथ संबंधित जिम्मेदार भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रहे है।बाजार में गंदगी के कारण मच्छरों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार में नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित कराई जाए ताकि आम जनता को इस समस्या से राहत मिल सके।

अनियंत्रित इलेक्ट्रिक कार ने शिक्षिका को मारी टक्कर

बाराबंकी। शहर में दोपहर गांधी आश्रम के पास एक अनियंत्रित इलेक्ट्रिक कार ने स्कूटी सवार शिक्षिका को टक्कर मार दी। इस हादसे में शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि एक अन्य युवक भी चोटिल हुआ है। देवा रोड स्थित ग्लोबल स्कूल की 33 वर्षीय शिक्षिका निशा सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी स्कूटी कार के अगले हिस्से में फंस गई। सूचना मिलने पर नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिक्षिका को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक काफी दूर से ही तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था।

अब तुर्की पर किसने दाग दी मिसाइल? क्या नाटो को जंग में उतारने के लिए इजरायल कर रहा फाल्स फ्लैग ऑपरेशन

तुर्की में एक मिसाइल इंटरसेप्ट किया गया है। नाटो एयर डिफेंस सिस्टम ने इस मिसाइल को इंटरसेप्ट किया है। हवाला दिया गया कि ये ईरान की तरफ से दागी गई बैलस्टिक मिसाइल थी। लेकिन अब जो खबर निकल कर सामने आ रही है कि अंदर खाने से ये खबर है कि ईरान साफ तौर पर इस बात से इंकार करता रहा है। ये चौथी दफा है जब तुर्की पर कथित तौर पर मिसाइल हमला किया गया और ये कहा गया तुर्की एमओडी की तरफ से यानी मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस की तरफ से कि ये हमला ईरान की तरफ से किया गया। सवाल ये खड़ा होता है कि ईरान जिस तरफ इशारा करता है कि क्या ये इसराइल का ही फाल्स फ्लैग ऑपरेशन है? ईरान जिस तरह से हमेशा इस बात से इंकार करता रहा है कि उसने उन मुल्कों पर जिनको लेकर के उसने साफ कहा था कि उन पर हमला वो नहीं करेगा। अरब देशों में जहां अमेरिकन बेस हैं, उन्हें ही निशाना बनाया गया है।

अजरबैजान हो या फिर तुर्की इन पर पहले भी अटैक करने के आरोप लगे हैं और इस तरह की खबरें आई है। ईरान ने इस मामले को लेकर साफ मना किया है और ये तक कहा है कि ये इजराइल की साजिश हो सकती है। अमेरिकन साजिश हो सकती है। इन ताकतवर मुल्कों को इस जंग में घसीटने की किसी भी रूप में लेकर आने की ईरान पर इल्जाम लगाते हुए। बता दें कि तुर्की तो अपोज कर रहा है बल्कि ईरान पर जिस तरीके से हमले किए जा रहे हैं या फिर ग्राउंड इन्वज की तैयारी चल रही है अमेरिका की तरफ से। तुर्की की तरफ से ये भी साफ तौर पर इशारा किया गया कि देखिए अगर कुर्दिश लड़ाके ईरान में अटैक करने की प्लानिंग करते हैं तो वो इस घटना की खिलाफत करेगा। वो इसके खिलाफ उतरेगा। अपने सैनिक उतारेगा। ऐसे में तुर्की पर ये हमला या फिर तुर्की को कहीं ना कहीं फांस की पूरी तरीके से तैयारी जो अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगता रहा है। तुर्की एक नाटो देश है। अमेरिका ने जंग की शुरुआत में ही तुर्की के सदर रजब तैयब एर्दोगन से और तुर्की से कहा था कि आप इस जंग का हिस्सा बनिए और उनको पता है कि अगर वो आएंगे तो नाटो को भी उनके पीछे पीछे आना पड़ेगा। लेकिन एर्दोगान ने बहुत ही इस मामले में समझदारी से काम लिया है अभी तक और किसी भी उकसाने वाली साजिश जो उनके देश के खिलाफ हुई है। ईरान साफ कहता है कि ये साजिश है और इजराइल और अमेरिका की हो सकती है। उसका हिस्सा उन्होंने नहीं बनना स्वीकार किया। बहुत समझदारी के साथ में आप देखिए तुर्की हो गया, मिस्र हो गया या अजरान को भी हम देख लें जो ईरान का पड़ोसी है और एक तरह से इजराइल के प्रभाव में रहता है।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला मौलाना बिहार से गिरफ्तार, जेल भेजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। योगी आदित्यनाथ की माता एवं गौमाता के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक मौलाना को यूपी एसटीएफ ने बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी मौलाना की पहचान अब्दुल सलीम के रूप में बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग–अलग संगठनों द्वारा कुल 83 मुकदमे दर्ज कराए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए यूपी एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर बहराइच लायी। बहराइच पहुंचने के बाद पुलिस द्वारा आरोपी से विस्तृत पूछताछ की गई। वहीं, कोतवाली नगर में भी धार्मिक संगठनों की तहरीर पर आईटी एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस की कार्रवाई पूरी होने के बाद आरोपी मौलाना अब्दुल सलीम को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए बहराइच जेल भेज दिया गया है। मामले को लेकर क्षेत्र में संवेदनशीलता बनी हुई है और पुलिस प्रशासन सतर्कता बरत रहा है।

धूमधाम से मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव व श्री अखंड रामायण पाठ कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के शहर में जगह–जगह पर गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रानी बाजार स्थित पुरानी गल्ला मंडी में श्री बालाजी सेवक परिवार द्वारा द्वितीय वर्ष बुधवार को सुबह 10रू00 बजे से श्री अखंड रामायण पाठ प्रारंभ होगा।2 अप्रैल दिन गुरुवार को सांयकाल 5रू00 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें भजन गायक विशाल श्रीवास्तव ,बंटी राज, शिवकुमार बडकऊ, मयंक कसौधन,करन पटवा और पायल गुप्ता द्वारा भजन संकीर्तन होगा। और विशाल भंडारा का आयोजन भी सांयकाल 7:00 बजे से शुरू होगा। ये जानकारी कार्यक्रम के आयोजक अमित सोमानी ने दी।उधर श्री मेहंदीपुर बालाजी सेवक परिवार समिति, दयानंद द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम गोनार्द्लान निकट टामसन कॉलेज के सामने होगा जिसमें बुधवार को श्री अखंड रामायण पाठ होगा 2 अप्रैल को सांयकाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें भजन गायक रोहित शर्मा दीपक, गितेश प्रकाश और सौरभ त्रिपाठी सहित अन्य भजन गायक भजनों के हाजिरी लगाएंगे।और सवामनी प्रसाद 13वां विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है यह जानकारी कार्यक्रम के आयोजक प्रेम गोयल ने दी। और उधर बालाजी परिवार द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सांयकाल 6 बजे केक काटकर बाबा का जन्मोत्सव

मालवीय नगर स्थित श्री हनुमान गढ़ी मंदिर में श्री मेहंदीपुर धूमधाम से मनाएंगे और फिर बाबा को भोग लगाकर विशाल भंडारा होगा। यह जानकारी कार्यक्रम के आयोजक सुनील कुमार रस्तोगी ने दिया।उधर आवास विकास कॉलोनी कच्चे बाबा आश्रम में प्रथम वर्ष श्री हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें गुरुवार 2 अप्रैल को प्रातः 7:00 बजे से सुंदरकांड का पाठ आयोजन होगा और प्रातः 9रू00 बजे बालाजी सरकार का जन्मोत्सव धूमधाम से केक काट कर मनाया जाएगा और दोपहर में 1रू00 बजे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है यह जानकारी कार्यक्रम के आयोजन सनी जायसवाल ने दी।

मटेरा के गुरु हरिकिशन रेड रोज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह धूमधाम से सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच के मटेरा कस्बे स्थित गुरु हरिकिशन रेड रोज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण सम्मान समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री व स्पार्क कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा मौजूद रहीं। इसके अलावा मंडल अध्यक्ष कुश जी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों ने मेधावी छात्रों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और विभिन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और कड़ी मेहनत को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी, वहीं विशिष्ट अतिथि ने निरंतर प्रयास और लगन से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। विद्यालय के संरक्षक एस.एन. सिंह, प्रबंधक श्रीमती रविन्द्र कौर, अध्यक्ष डॉ. डी.पी. सिंह एवं उप प्रबंधक डॉ. देवेंद्र पाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ, जिसने विद्यालय परिवार में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार किया।

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में प्रधानाचार्य दिनेश कुमार सिंह को दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के तहसील करनैलगंज अन्तर्गत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कर्नलगंज में सेवानिवृत्त हो रहे प्रधानाचार्य दिनेश कुमार सिंह के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षक–शिक्षिकाओं, छात्रों एवं क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में बताया गया कि दिनेश कुमार सिंह की पहली नियुक्ति वर्ष 1985 में 22 वर्ष की आयु में ग्राम सभा मुंडेरवा के कन्या प्राथमिक विद्यालय में हुई थी। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं दीं। ब्लॉक संसाधन केंद्र कर्नलगंज में 13 वर्षों तक कार्य करने के पश्चात वर्ष 2013 में कंपोजिट विद्यालय कर्नलगंज में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने अपने लगभग 40 वर्षों के सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। विदाई समारोह में अध्यापिका नीतू सिंह ने कहा कि दिनेश कुमार सिंह सभी के लिए प्रेरणा स्रोत और मजबूत स्तंभ रहे हैं तथा आगे भी उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। वहीं सानिया सिद्दीकी ने उनके साथ बिताए 13 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए उन्हें एक आदर्श गुरु और अभिभावक बताया। कार्यक्रम का संचालन नीतू सिंह एवं सानिया सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शांति लाल त्रिवेदी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं में चितरंजन त्रिपाठी, गोसिया, फरहत जहां, शिल्पी मौर्य, शालू श्रीवास्तव, आरती निषाद, मिथलेश शर्मा, प्रदीप मौर्य, प्रदीप श्रीवास्तव सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इसके अलावा शिक्षा मित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मनुवा त्रिपाठी, मंत्री राजेश यादव, सर्वजीत कुमार, विमल शुक्ला, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष तेज बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृपाराम, मंत्री मुहम्मद सईद, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, ब्लॉक कोषाध्यक्ष रामकुमार मिश्रा, राजेश गौड़, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह, मंत्री विपिन सिंह, मनोज पांडे सहित कई शिक्षक संघों के पदाधिकारी तथा ग्राम सभा मुंडेरवा के शुभचिंतक एवं पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में दिनेश कुमार सिंह ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यालय का कार्यभार वरिष्ठ शिक्षक चितरंजन त्रिपाठी को सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि दिनेश कुमार सिंह वर्ष 1989 से ही उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष के पद पर भी निरंतर कार्य करते रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने उन्हें स्वस्थ एवं सुखद जीवन की शुभकामनाएं दीं।

रोजवुड इंटरनेशनल स्कूल में हुआ परीक्षा फल का वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के रोजवुड इण्टर कालेज में वार्षिक परीक्षाफल वितरण हमारे विद्यालय की नई शाखा रोजवुड इंटरनेशनल स्कूल बालपुर जाट में आयोजित किया गया।इस अवसर पर छात्र–छात्राओ ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथां पी० जी० से लेकर कक्षा आठ तक तथा कक्षा नौ व ग्यारह के प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले और कक्षा में सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।मंच का संचालन यथार्थ मोहन तिवारी तथा सुप्रिया ने किया।कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि शशि भूषण लाल सुशील कमिश्नर देवीपाटन मंडल तथा श्रीमती गरिमा भूषण तथा रामचन्द्र जिला विद्यालय निरीक्षक गोण्डा ने सरस्वती वन्दना व दीप प्रज्वालित करके आपरेशन सिंदूर तथा सितारे जमी पर आदि कार्यक्रमो को बच्चो ने बड़े ही मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में अविका पाण्डेय, एकांश, आसी, श्रेया, आराध्या, अंशिका, लक्ष्य, काव्या, अनिका, अवंतिनीलम, रिमझिम, ऐश, आस्था, सुभी, सिद्धी, रेयॉस, रिया, पावनी, संजना, रूद्रांश, चेतना, सूर्या, प्रशंसा, आदि बच्चो ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।विद्यालय के प्रबन्धक अमित कुमार पाण्डेय व अध्यक्षा जया पाण्डेय तथा रोजवुड इंटर कालेज की प्रधानाचार्या सरिता पाण्डेय एवं रोजवुड इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या श्वेता त्रिपाठी ने सभी अभिभावकों का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम के अवसर पर अतिथियों में विद्यालय संस्थापक राकेश पाण्डेय, प्रेमसागर पाण्डेय तथा अवधेश शुक्ला प्रधान चन्दवतपुर एंव दुर्गेश सोनी चेयरमैन मनकापुर तथा रज्जू यादव प्रधान बालपुर जाट, मनीष द्विवेदी, श्रवण शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बहराइच में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, एक ही परिवार के 5 लोग घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जनपद में जमीनी विवाद को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। कैसरगंज क्षेत्र के हरना उनौरा गांव में जमीन की नपाई के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट की घटना हो गई। बताया जा रहा है कि गांव के कुछ दबंगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों पर हमला कर दिया और उन्हें बेरहमी से पीटा। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूत्रों के अनुसार, जमीन की पैमाइश (नपाई) के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। पीड़ित परिवार के सभी घायल सदस्यों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही जा रही है।

बहराइच पुलिस लाइन में नवागंतुक एसपी ने की पत्रकारों से मुलाकात, अपराध पर जीरो टॉलरेंस की घोषणा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पुलिस लाइन में नवागंतुक पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने जिले के पत्रकारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में जिले भर के विभिन्न समाचार पत्रों और टीवी चौनलों के ब्यूरो चीफ, संपादक एवं पत्रकार शामिल हुए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी पत्रकारों से क्रमवार परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं भी अपना परिचय देते हुए जिले में कानून–व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। पत्रकारों ने भी बहराइच जिले की वर्तमान स्थिति, अपराध की चुनौतियों और जनसमस्याओं से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया।

इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिले में अपराध के प्रति ष्जीरो टॉलरेंसष् की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए नियमित समीक्षा की जाएगी और कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा। बैठक का माहौल संवादात्मक रहा, जिसमें पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक को भावभीनी विदाई, अधिकारियों ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मी के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान ने सेवानिवृत्त उप निरीक्षक नागरिक पुलिस रमाशंकर प्रसाद को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी। समारोह में अधिकारियों ने रमाशंकर प्रसाद के दीर्घकालिक सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी का परिचय दिया। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ जनसेवा को प्राथमिकता देना उनके कार्यशैली की पहचान रही।अधिकारियों ने कहा कि उनका सेवाभाव और कार्यसंस्कृति विभाग के अन्य कर्मियों, विशेषकर नव–नियुक्त पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। पुलिस विभाग को उनके योगदान पर गर्व है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारीगण द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, पेशकार पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 घंटे में चोरी का खुलासा, जेवर –नगदी सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास में हरदत्तनगर गिरण्ट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। महज 24 घंटे के भीतर पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरतार कर लिया। इनके कब्जे से नगदी और चांदी के जेवर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 30 मार्च को ग्राम इटहिया में एक घर में घुसकर जेवरात और नगदी चोरी की घटना हुई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति गांव के बाहर आते–जाते दिखाई दिया, जिसके आधार पर उसकी पहचान इसाक अली उर्फ इसहाक के रूप में हुई। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी इसाक अली को गिरतार किया। पूछताछ में उसने चोरी की बात कबूल करते हुए बताया कि उसने चोरी के जेवर नासिरगंज के एक सुनार को बेच दिए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सुनार आलोक कुमार गुप्ता को भी गिरतार कर लिया और उसके कब्जे से चोरी के जेवर बरामद कर लिए। बरामदगी में शामिल सामानरू पुलिस ने आरोपियों के पास से 3500 रुपये नगद, एक अंगूठी, तीन जोड़ी पायल, दो जोड़ी चुटकी, एक जोड़ी झुमकी और एक माला बरामद की है। सभी जेवर सफेद धातु (चांदी) के बताए जा रहे हैं। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ ने पुलिस को आरोपियों तक पहुंचाया। आरोपी की पहचान के बाद की गई सटीक कार्रवाई से पूरे मामले का खुलासा संभव हो सका। मुख्य आरोपी इसाक अली का आपराधिक इतिहास भी रहा है।

उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आयुध अधिनियम, चोरी और अन्य गंभीर धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

हनुमान जन्मोत्सव पर आज प्रारंभ होगा अखंड रामायण पाठ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला बाजार स्थित हनुमान भैरो मंदिर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जय हनुमान सेवा समिति द्वारा अखंड रामायण पाठ व भव्य भंडारे के साथा हनुमान जन्मोत्सव गुरुवार को बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। आयोजन समिति के सहयोगी जगदीश तिवारी ने बताया कि कलयुग के सबसे बड़े देवता जो अजर अमर हैं जिनका सुमिरन करने मात्र से संकट कट जाता है ऐसे अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव गुरुवार को विधि–विधान से पूजन अर्चन आरती हवन व भव्य भंडारे के साथा मनाया जाएगा इसके पूर्व श्रीरामचरितमानस संपूर्ण रामायण पाठ का शुभारंभ बुधवार की सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएगा दूसरे दिन रामायण पाठ विराम होने के बाद विद्वान पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा पाठ हवन आरती के पश्चात दोपहर बाद भंडारा शुरू हो जाएगा। उक्त मंदिर पर विगत 13 वर्षों से प्रत्येक मंगलवार की शाम संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन व प्रतिवर्ष चौत्र माह में हनुमान जयंती पर अखंड रामायण पाठ व भंडारे आ आयोजन आस्थावान भक्तों के सहयोग से होता चला आ रहा है।

दुष्कर्म के दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब 5 साल पूर्व शादी का झांसा देकर दलित युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। उसके ऊपर 55 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित युवती (पीड़िता) ने करमा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की युवती है। शादी का झांसा देकर धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल पुत्र राजकुमार राजा पटेल निवासी खैरपुर सिरसिया ठकुराई , थाना करमा, जिला सोनभद्र उसके साथ कई बार शारीरिक सम्बंध स्थापित किया। अब वह अपनी बिरादरी की लड़की से शादी करने जा रहा है। जब धनेश से पूछताछ की तो उसने भद्दी भद्दी गाली देते हुए धमकी दिया कि अगर कहीं शिकायत करोगी तो जान से मार दिया जाएगा। करमा पुलिस ने 17 मई 2021 को दुष्कर्म, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर लिया गया । सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। इसके ऊपर 55 हजार रूपये अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सी शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की। पुलिस ने रामलखन

हत्या में दोषी दंपती को 10–10 वर्ष का कारावास

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को 10–10 वर्ष का कारावास व 12–12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3–3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक विजय कुमार पुत्र बनवारी कोल निवासी अरुआंव, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र ने घोरावल थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसका लड़का रामसेवक उर्फ काशी उम्र 26 वर्ष 9 अगस्त 2022 को शाम करीब 4 बजे घर से बाइक से निकला था । उसके साथ खड़िया निवासी मुकेश भी था । लड़का शाम को घर नहीं आया। दूसरे दिन भी काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका पता नहीं चला । 12 अगस्त को गांव के लोगों द्वारा मोबाइल में फोटो दिखाकर बताया कि 10 अगस्त को महुआव पांडेय गांव के कुएं में एक युवक की लाश मिली है। जिसे पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। जब पोस्टमार्टम हाउस जाकर देखा तो बेटे की लाश थी। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद पता किया तो जानकारी मिली कि रामलखन उर्फ रवि उर्फ बाठे पुत्र पुदीन चमार निवासी महुआंव पांडेय, थाना घोरावल, जिला सोनभद्र के घर उसका लड़का 9 अगस्त की शाम गया था। जहां पर शराब पीकर आपस मे कहासुनी हुई थी। इसी दौरान मारपीट कर हत्या करने के बाद शव को छुपाने के लिए कुएं में फेंक दिया गया था। इस तहरीर पर समेत दो लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती रामलखन व .ष्णावती को 10–10 वर्ष का कारावास व 12–12 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 3–3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

01 किग्रा 200 ग्राम अवैध गांजा के साथ 01 अभियुक्ता को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार' व क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय' के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना पिपरी के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों तथा मादक पदार्थों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 31.03.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा रेलवे कॉलोनी रेनुकूट क्षेत्र से 'अभियुक्ता मंजू देवी पत्नी स्व0 संजय निवासी चाचा कॉलोनी रेनुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 40 वर्ष' को गिरतार किया गया। अभियुक्ता के कब्जे से एक सफेद झोले में 01 किग्रा 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। उक्त बरामदगी के आधार पर अभियुक्ता के विरुद्ध थाना पिपरी पर धारा 8/20 एनडीपीएस के अंतर्गत अभियोग पंजी.त कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

साइबर ठगी की 40,000/- धनराशि पीड़ित को वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा पीड़ित 'बबलू पुत्र किशन लाल बंजारा निवासी माता जी की खेड़ी थाना रामपुरा जनपद नीमच (म0प्र0), हाल पता– चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र' के साथ छलपूर्वक घ40,000/– (चालीस हजार रुपये) की साइबर ठगी की घटना कारित की गई थी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार' के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा' के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन के कुशल नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही की गई। साइबर टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण करते हुए संबंधित बैंक/संस्था से त्वरित ई–मेल पत्राचार किया गया, जिसके फलस्वरूप पीड़ित की फ्रॉड हुई 'संपूर्ण धनराशि घ40,000/– (चालीस हजार रुपये)' सफलतापूर्वक उसके मूल खाते में वापस कराई गई।

कन्सट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज यूनिट-20, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय)

ई-निविदा सूचना

उपरोक्त विषयक जनपद सन्तकबीरनगर के अन्तर्गत विभिन्न कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु दिनांक 16.04.2026 के अपरान्ह 17.00 बजे तक का ई–निविदा सूचना राष्ट्रीय समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु प्रेषित किया जा रहा है। उक्त कार्य हेतु ई–निविदा प्रपत्र दिनांक 27.03.2026 से 16.04.2026 के मध्य उत्तर प्रदेश सरकार की e-procurement वेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड किये जा सकते हैं। दिनांक 17.04.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे सी०एण्ड डी०एस०, यूनिट–20, सन्तकबीरनगर में निविदा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	योजना का नाम	एन0आई0टी0 संख्या
1	जनपद सन्तकबीरनगर के नाथनगर में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	316/निविदा/37 दिनांक 17.03.2026
2	जनपद सन्तकबीरनगर के बघौली में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	317/निविदा/3 38 दिनांक 17.03.2026
3	जनपद सन्तकबीरनगर के सेमरीयांव में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	318/निविदा/39 दिनांक 17.03.2026
4	जनपद सन्तकबीरनगर के खलीलाबाद में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	319/निविदा/40 दिनांक 17.03.2026
5	जनपद सन्तकबीरनगर के हैंसर में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	320/निविदा/41 दिनांक 17.03.2026
6	जनपद सन्तकबीरनगर के मेहदावल में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	321/निविदा/42 दिनांक 17.03.2026
7	जनपद सन्तकबीरनगर के सांथा में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	322/निविदा/43 दिनांक 17.03.2026
8	जनपद सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	324 / निविदा/45 दिनांक 17.03.2026
9	जनपद सिद्धार्थनगर के बर्डपुर में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	325/निविदा/46 दिनांक 17.03.2026
10	जनपद सिद्धार्थनगर के भनवापुर में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	326/ निविदा/47 दिनांक 17.03.2026
11	जनपद सिद्धार्थनगर के इटवा में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 16.28 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 33000/–	327/ निविदा/48 दिनांक 17.03.2026
12	जनपद सिद्धार्थनगर के खेसरहा में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब व गार्डरूम का निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रु 20.99 लाख (जी०एस०टी० रहित एवं लेबर सेस सहित) EMD Rs. 42000/–	328/निविदा/49 दिनांक 17.03.2026

प्रत्येक ई–निविदा प्रपत्र का मूल्य रु 3000+GST (18%) अतिरिक्त देय होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण सी० एण्ड डी०एस०, उत्तर प्रदेश जल निगम की वेबसाइट www.cdsupjn.org एवं e-procurement की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (Corrigendum) https://etender.up.nic.in पर ही अपलोड किये जॉयगे, इनका पृथक से कोई प्रकाशन नहीं किया जायेगा। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उक्त वेबसाईट का समय–समय पर अवलोकन करते रहें।

मनीष चन्द्र
परियोजना प्रबन्धक

पत्रांक सं0 315/निविदा/36 | दिनांक– 17.03.2026

कार्यालय : ग्राम पंचायत मझुँई, वि.खं.- करमा, जिला- सोनभद्र

पत्रांक – मेमो टेण्डर सूचना/2026/27 दिनांक– 31/03/2026

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

ग्राम पंचायत– **मझुँई** में वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत मनरेगा पंचम राज्य वित्त, 15वां वित्त योजना, स्वच्छ भारत मिशन फेज–2 के अन्तर्गत सामग्री मोरम, भस्सी, सीमेंन्ट, ईट, इण्टरलाकिंग ईट, कोटा स्टोन, मिट्टी ढुलाई, टाईल्स, सरिया, वोल्डर, स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, बालू, लोहे का दरवाजा, रंगाई पोताई, ई–रिक्शा, हयूम पाईप, डस्टबीन, व हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री, बोरिंग/रिबोर, समर सेबल पम्प, सोलर स्ट्रीट लाईट, फर्नीचर्स इत्यादि सामग्री की आपूर्ति की आवश्यकता है। इच्छुक फर्म ग्राम पंचायत– **मझुँई** सचिवालय से दिनांक–05.04.2026 से 10.04.2026 तक फार्म 500 रू० जमा कर प्राप्त तक जमा कर सकते है। करें। दिनांक– 11.04.2026 को 04 बजे तक जमा कर सकते है। दिनांक–12.04.2026 को 03 बजे तक निविदा खोला जायेगा।

प्रतिबंध और शर्ते– 1– निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2–जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। 3–खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4–सशर्त निविदा स्वीकार्य नहीं की जायेगी 5–बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

अन्य शर्ते फार्म के साथ संलग्न है।

ग्राम प्रधान
ग्रामपंचायत-मझुँई,
विकास खण्ड- करमा

सचिव
ग्रामपंचायत-मझुँई,
विकास खण्ड- करमा

सूचना

मेरे सैन्य अभिलेख में मेरी पत्नी इन्द्रावती देवी की जन्मतिथि 1968 लिख दिया गया है जबकि आधार कार्ड पैन कार्ड में जन्म तिथि 15–06–1968 लिखा है जो सत्य है जन्म तिथि सुधार हेतु पत्नी ने शपथ पत्र IN-UP69924955968850Y दिनांक 23–3–2026 को जि0 समक्ष अधिकारी सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश में दर्ज है) मै G.No.175626N MT Driver–1 HQ 107 RCC ग्रिफ 99 APO सिक्किम निवासी पचपेड़वा बाँसी सिद्धार्थनगर पिन 272153

my wife Indrawati Devi D.O.B. 1968 has been written inmy army records while date of birth is 15-06- 1968 in Adhaar Card and PEN card which is true maine Affidavit for correction of date of Birth IN-UP 69924955968850Y Dated 23-3-2026 Recorded before District officer Siddharthanagar (UP) mai G.No.175626N MT Driver&1 HQ 107 RCC ग्रिफ 99 APO sikkim Resident Panchpadwa, Bansi, siddharthanager (UP) PIN 272153

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता की मेरा नाम तान्या दुबे पुत्री स्व0 मुकेश दुबे निवासी– ग्राम महनाग, पो0– खखरा खुर्द, तहसील– नौगढ़, जनपद– सिद्धार्थनगर है। मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम तान्शी दुबे हो गया है जो गलत है, मेरे दस्तावेजों में मेरा नाम तान्या दुबे है जो सही और सत्य है। भविष्य में मुझे तान्या दुबे के नाम से जाना व पहचाना जाये।

तान्या दुबे पुत्री स्व0 मुकेश दुबे
निवासी– ग्राम महनाग, पो0– खखरा
खुर्द, तहसील– नौगढ़,
जनपद– सिद्धार्थनगर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

कालीदास 2 को मिला यू/ए सर्टिफिकेट, 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी थ्रिलर फिल्म

फिल्म इंडस्ट्री में जब भी किसी हिट फिल्म का सीक्वल आता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। ऐसी ही एक फिल्म है कालीदास 2, जो अपने पहले पार्ट की सफलता के बाद अब दर्शकों के बीच वापसी करने जा रही है। रिलीज से पहले ही इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है और अब इसे लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। दरअसल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इस फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दे दिया है। इसका मतलब है कि फिल्म अब सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है और इसे परिवार के साथ देखा जा सकता है, हालांकि बच्चों के लिए अभिभावकों की सलाह जरूरी होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 3 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में एक और खास अपडेट शेयर किया था, जिसमें अभिनेता किशोर का फर्स्ट लुक सामने आया था। इस फिल्म में वह पांड्या नाम के किरदार में नजर आएंगे। पोस्टर में उनका लुक काफी खतरनाक और रहस्यमयी दिखाया गया है। मेकर्स ने उनके किरदार को रॉ, रफ और अनप्रिडिक्टेबल करार जिया।

यह फिल्म सालों पहले आई सुपरहिट फिल्म कालीदास का दूसरा पार्ट है। इसे के.सेंथिल और डॉ. एन योगेश्वरन ने प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि इस फिल्म को भी सेंथिल ने ही लिखा और डायरेक्ट किया है, जिन्होंने पहले पार्ट को भी बनाया था। ऐसे में दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म भी उतनी ही दमदार होगी।

फिल्म में भरत और अजय कार्थी लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा, भवानी श्री, संगीता और टीएम कार्तिक समेत कई कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। संगीता लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं, जो दर्शकों के लिए एक अलग ही रोमांच लाएगा।

फिल्म के टीजर की बात करें तो, यह डरावने और भावनात्मक सीन से भरपूर है। टीजर में देखा जा सकता है कि भरत एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैंय उनको एक महिला का फोन आता है, जो काफी डरी हुई है और उनसे मदद की गुहार लगा रही है।

टीजर में एक वॉयसओवर भी सुनाई देता है, इसमें कहा गया है कि हर अपराध की सजा होती है, लेकिन कुछ मामलों में सजा किसी बाहरी ताकत से नहीं, बल्कि अलग तरीके से मिलती है।

सौम्या टंडन ने ग्रीन गाउन में बिखेरा जलवा, अभिनेत्री के ग्लैमरस लुक ने लगाई आग

एक्ट्रेस सौम्या टंडन एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में आ गई हैं. हाल ही में वो अपनी फिल्म धुरंधर 2 में रहमान डकैत की पत्नी उल्फत के किरदार में नजर आई थी, जिसमें उनकी खूब तारीफ हुई. इसी बीच सोशल मीडिया

पर उनकी नई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें उनका एलिगेंट और कॉन्फिडेंट लुक देखने को मिल रहा है. फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स में उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे.

इन फोटोज में सौम्या ने डार्क ग्रीन रंग का खूबसूरत गाउन पहना है. गाउन का डिजाइन बहुत यूनिक है, जो उनके लुक को अलग और खास बना रहा है.

उनकी ड्रेस का वन–शोल्डर पैटर्न और डिजाइन उनके लुक को बोल्ड और मॉडर्न बना रहा है. यह स्टाइल उनके फिगर को भी खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा है.

सौम्या ने अपने बालों को साइड पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जिसमें हल्के वेव्स दिए गए हैं. यह हेयरस्टाइल उनके चेहरे पर बहुत सॉफ्ट और क्लासी लुक दे रहा है.

उन्होंने अपने लुक को स्टाइलिश ईयररिंग्स और रिंग्स के साथ इसे बैलेंस किया है. उनकी ज्वेलरी सिंपल होते हुए भी काफी एलिगेंट लग रही है और उनके ग्लैम को बढ़ा रही है.

मेकअप की बात करें तो उन्होंने सॉफ्ट आई मेकअप, हल्का ब्लश और ग्लॉसी लिप्स रखा हैं. उनका यह मेकअप उन्हें बहुत फ्रेश और नेचुरल ग्लो दे रहा है. फोटो में उनका पोज बहुत ही कॉन्फिडेंट और ग्रेसफुल है, जिसे आप किसी भी फंक्शन में आसानी से पहन सकते है. सौम्या का यह पूरा लुक क्लास और ग्लैमर का शानदार मेल है. न ज्यादा हैवी और न ज्यादा सिंपल, हर चीज बैलेंस है, जो उन्हें अट्रैक्टिव बना रही है.

धुरंधर 2 की सुनामी के आगे मामूली बजट की फिल्म आडू 3 ने कर डाली बंपर कमाई, 11 दिनों में 100 फीसदी से ज्यादा है प्रॉफिट

जयसूर्या की फिल्म आडू 3 बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है. ये साल 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि इस फैंटेसी कॉमेडी को सिर्फ 10 दिनों में ही हिट का दर्जा मिल गया था और ये अब प्रकंबनम के साथ मुनाफा कमाने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. इसी के साथ चलिए यहां जान लेते हैं कि इस फिल्म ने रिलीज के 11 दिनों में देश और दुनियाभर में कितना कलेक्शन कर डाला है?

आडू 3 – वन लास्ट राइड (पार्ट 1) में जयसूर्या मुख्य भूमिका में हैं. ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. यहां तक कि रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 2 के तूफान के आगे भी ये देश और दुनियाभर में खूब नोट पीट रही है.

बता दें कि अपने शुरुआती हफ्ते में इस फिल्म ने भारत में 37 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद, फिल्म ने अपने दूसरे शुक्रवार को 1.60 करोड़ रुपये और शनिवार को 2.30 करोड़ रुपये कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने दूसरे संडे यानी 11वें दिन 2.65 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद इसकी भारत में कुल नेट कमाई अब 43.01 करोड़ हो गई है. इसके साथ ही, भारत में फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 49.75 करोड़ रुपये हुआ है.

विदेशों में, फिल्म ने 11वें दिन 1.00 करोड़ का कलेक्शन किया, जिससे इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन अब तक 60.15 करोड़ तक पहुँच गया है और वर्ल्डवाइड इसने 109.90 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है.

आडू फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म कथित तौर पर 20 करोड़ के बजट पर बनी है. रिलीज के 11 दिनों में, इसने अपनी लागत से दोगुना से भी ज्यादा कमाई की है, जिससे इसे भारतीय बॉक्स ऑफिस पर हिट का दर्जा मिल गया है. वहीं फिल्म के मुनाफे की बात करें तो आडू 3 ने अब तक 115.05त्न का मुनाफा कमाया है. यह 2026 की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली मॉलीवुड फिल्म है. इससे आगे सिर्फ गणपति एस पोदुवल और सागर सूर्या की फिल्म प्रकंबनम है जिसने 284त्न का मुनाफा कमाया है.

फिर आगे बढ़ गई राम चरण की पेद्दी की रिलीज? धनुष की फिल्म कारा को मिलेगा फायदा!

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म पेद्दी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में राम चरण के जन्मदिन पर मेकर्स ने फिल्म की नई झलक दिखाई थी, जिसमें राम चरण पेद्दी पहलवान के तौर पर नजर आए थे। अब फिल्म की रिलीज को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है, जो राम चरण के फैंस को थोड़ा निराश कर सकती है।

फिल्म से जुड़ी इंडस्ट्री सूत्रों के हवाले से ये खबर आ रही है कि राम चरण की श्पेद्दीय की रिलीज एक बार फिर आगे बढ़ रही है। पहले मार्च में रिलीज होने वाली पेद्दी 30 अप्रैल को रिलीज होनी है, लेकिन अब रिपोर्ट के मुताबिक, इंडस्ट्री से जुड़े सूत्र का कहना है कि फिल्म की रिलीज और भी आगे बढ़ गई है।

सूत्रों का कहना है कि अब मेकर्स फिल्म को मई या जून में रिलीज करने का विचार बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों की मानें तो मेकर्स बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए फिल्म को मई–जून तक आगे बढ़ा सकते हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज आगे बढ़ने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अगर राम चरण की श्पेद्दीय आगे बढ़ती है, तो इससे सीधा फायदा धनुष की कारा को मिलेगा। धनुष की फिल्म को लेकर तमिल–तेलुगु में बज बनना शुरू हो चुका है। अगर पेद्दी की रिलीज आगे बढ़ती है, तो निश्चित ही श्काराय के मेकर्स इसका फायदा उठाना चाहेंगे। क्योंकि श्काराय के मेकर्स भी श्पेद्दीय की रिलीज पर नजरें टिकाए हुए हैं और राम चरण की फिल्म से टकराव से बचना चाहते हैं।

पेद्दी की रिलीज में देरी का कारण पोस्ट–प्रोडक्शन का अधूरा काम बताया जा रहा है। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित श्पेद्दीय में राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। जबकि शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। श्पेद्दीय एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें राम चरण क्रिकेट से लेकर कबड्डी और कुश्ती करते नजर आएंगे।

लोगों को ज्यादा सफाई देने की आदत से पाना चाहते हैं छुटकारा? जानिए इसके 5 तरीके

लोगों को ज्यादा सफाई देना एक आम समस्या है, जो हमारे आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। यह आदत न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि कामकाजी जीवन में भी दिक्कतें पैदा कर सकती है। इसकी वजह से हर काम प्रभावित होता है और तनाव बना रहता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप इस आदत को सुधार सकते हैं और अधिक आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकते हैं।

अपनी बात साफ तरीके से रखें: लोगों को ज्यादा सफाई देने से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी बात को साफ और छोटे तरीके से रखें। जब आप किसी से बात कर रहे हों तो कोशिश करें कि आपका संदेश सीधा हो और उसमें फालतू की जानकारी न दें। इससे सामने वाले को आपकी बात समझने में आसानी होगी और आपको बार–बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे आप अपने मन में उस बात को बार–बार दोहराना बंद कर देंगे।

खुद को जांचें: खुद को ज्यादा समझाने की आदत को सुधारने के लिए खुद का आकलन करना जरूरी है। इसके लिए आपको अपने विचारों और भावनाओं पर ध्यान देना होगा। सोचिए कि क्या आप जो बात लोगों को समझा रहे हैं, वह असल में मायने भी रखती है या नहीं। अगर आपको लगता है कि लोगों को आपकी बात पहले ही समझ आ गई है तो ज्यादा जानकारी देने की जरूरत नहीं है। इससे आप खुद को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाएंगे।

सीमाएं तय करें: ज्यादा सफाई देने की आदत से बचने के लिए सीमाएं तय करना बहुत जरूरी है। जब आप किसी बातचीत या स्थिति में हों तब यह तय करें कि आपको कितनी जानकारी साझा करनी है और कितनी नहीं। इससे न केवल आपकी बात साफ होगी, बल्कि सामने वाले को भी आपकी बात समझने में आसानी होगी। इसके अलावा यह आदत आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से संवाद कर पाएंगे।

सुनने की आदत डालें: ज्यादा सफाई देने की आदत को सुधारने के लिए सुनने की आदत डालना बहुत अहम है। जब आप दूसरों की बात ध्यान से सुनते हैं तो आपको समझ आता है कि उनको आपकी बात पहले ही समझ आ गई है। इससे आपको बार–बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आपकी बातचीत अधिक प्रभावी होगी। इसके अलावा इससे आपके रिश्ते भी बेहतर होंगे और आप दूसरों के नजरिए को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।

सकारात्मक सोच रखें: ज्यादा सफाई देने की आदत को सुधारने के लिए सकारात्मक सोच रखना बहुत अहम है। जब आप सकारात्मक नजरिए से सोचते हैं तो आपकी आत्मविश्वास बढ़ता है और आप बिना किसी दबाव के अपनी बात रखते हैं। इसके अलावा सकारात्मक सोच रखने से आप दूसरों की प्रतिक्रिया को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और आपकी बातचीत अधिक प्रभावी होती है। यह आदत आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है।